Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री दुर्गा शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
मॉं दुर्गा उपासक मा बमलेश्वरी, मॉं कामाख्या, मॉं भद्रकाली, मॉं शताक्षी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 314 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | दुर्ग, गुरुवार 25 सितंबर 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

फसलों की कीमतें वैश्विक कारकों से होती हैं निर्धारित'-गडकरी

नई दिल्ली। सरकार को उन किसानों का समर्थन करने की जरूरत है जिन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिलता क्योंकि फसलों की कीमतें वैश्विक कारकों से निर्धारित होती हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को यह बात कही। 'भारत जैव-ऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो के दूसरे संस्करण' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चीनी की कीमत ब्राजील, तेल की कीमत मलेशिया, मक्का की कीमत अमेरिका और सोयाबीन की कीमत अर्जेंटीना की ओर से निर्धारित होती है। मंत्री ने कहा, हम ग्रामीण और आदिवासी भारत में गरीबी और बेरोजगारी की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, क्योंकि किसानों को वैश्विक अर्थव्यवस्था में अच्छी कीमतें नहीं मिल रही हैं। गडकरी ने कहा कि भारत की 65 प्रतिशत आबादी कृषि गतिविधियों में लगी हुई है। लेकिन देश के सकल घरेलू उत्पाद में उनका योगदान केवल 14 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, इसलिए, इस परिदृश्य में, हमारी ग्रामीण कृषि और जनजातीय अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए, हमें कृषि को समर्थन देने की आवश्यकता है... जो उपभोक्ता, देश और आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री ने बताया कि जब सरकार ने मक्के से बायो-एथेनॉल के उत्पादन की अनुमति दी तो मक्के की कीमत 1,200 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई।
उन्होंने कहा, इसलिए किसानों को कई आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें अपनी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है।" गडकरी के अनुसार, किसानों ने मक्के से इथेनॉल का उत्पादन करके 45,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई की है। उन्होंने कहा, "इसलिए, ऊर्जा और बिजली क्षेत्र की ओर कृषि का विविधीकरण हमारे देश की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा कि वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन का भारत में भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा, "वर्तमान में हम ऊर्जा के आयातक हैं... वह दिन आएगा जब हम ऊर्जा के निर्यातक होंगे और यह देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि होगी।

झारखंड में मुठभेड़ में मार गिराए तीन नक्सली, दो पांच-पांच लाख के इनामी

रांची। झारखंड के गुमला जिले में बुधवार सुबह सुरक्षा बलों और पुलिस के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए हैं। इनमें पांच-पांच लाख के इनामी लालू लोहरा और छोटू उरांव के अलावा सुजीत उरांव शामिल हैं। तीनों प्रतिबंधित नक्सली संगठन झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) से जुड़े थे। यह मुठभेड़ बिशुनपुर थाना क्षेत्र के केचकी जंगल में हुई। गुमला पुलिस ने तीन नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि की है। मारे गए नक्सलियों में लोहरदगा निवासी लालू लोहरा जेजेएमपी का सब-जोनल कमांडर था। उसके पास से एके-47 राइफल बरामद हुई है। दूसरा नक्सली छोटू उरांव लातेहार का रहने वाला था और वह भी नक्सली संगठन में सब-जोनल कमांडर था। इन दोनों पर पांच-पांच लाख रुपए के इनाम थे। वहीं, तीसरा नक्सली सुजीत उरांव, लोहरदगा का रहने वाला था और संगठन में कैडर के रूप में सक्रिय था। मारे गए नक्सलियों के पास से एके 47 सहित कई हथियारों की बरामदगी हुई है। मुठभेड़ के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। सितंबर महीने में सुरक्षा बलों और पुलिस के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ की यह चौथी घटना है, जिसमें आठ नक्सली मारे गए हैं।

जब मुख्यमंत्री खुद बने ग्राहक : घरेलू सामान की शॉपिंग कर उठाया जीएसटी दरों में कटौती का लाभ

मुख्यमंत्री अचानक पहुंचे मार्ट, ग्राहकों से की मुलाकात, ग्राहक बोले जीएसटी रिफॉर्म्स, बचत क्रांति

जीएसटी बचत उत्सव को लेकर जनभावनाओं से रूबरू होने के मार्ट पहुंचे मुख्यमंत्री

रायपुर (समय दर्शन)। राजधानी रायपुर के सरोना स्थित शुभम के मार्ट में रोजमर्रा की ज़रूरत का सामान खरीद रहे लोग उस समय सुखद आश्चर्य से भर उठे, जब उन्होंने देखा कि जीएसटी बचत का लाभ उन्हें मिल रहा है या नहीं उसे देखने स्वयं प्रदेश के मुखिया आए है।

दरअसल, जीएसटी बचत उत्सव को लेकर जनभावनाओं से रूबरू होने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शुभम के मार्ट पहुंचे। उन्होंने खुद ग्राहक बनकर 1,645 रुपये के घरेलू सामान की शॉपिंग की एवं यूपीआई से भुगतान भी किया इस दौरान उन्होंने खरीदारी कर रहे लोगों से बातचीत की और जीएसटी दरों में कटौती से घरेलू सामानों के मूल्य में आए फर्क के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मार्ट पहुंचकर ज़रूरत के सामान खरीदे और जीएसटी दरों में कमी का लाभ लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आत्मीयता से लोगों का हालचाल जाना। उन्होंने खरीदारी कर रही गृहिणियों से घरेलू बजट पर आए असर की जानकारी ली, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों से उनकी दिनचर्या के बारे में पूछताछ की। इस बीच उन्होंने रोजमर्रा का सामना खरीदते हुए अन्य ग्राहकों से आत्मीयतापूर्वक वार्तालाप किया। मुख्यमंत्री का यह आत्मीय व्यवहार देखकर मौजूद लोग गदगद हो उठे और कहा कि प्रदेश का मुखिया आज हमारे बीच एक आम आदमी की तरह शामिल है। इस दौरान उन्होंने खरीददारों से चर्चा करते हुए जीएसटी सुधारों पर लोगों के विचार सुने। लोगों ने बताया कि दवाइयों और राशन की कीमत घटने से उन्हें बड़ी राहत मिली है।

जीएसटी कटौती नहीं, यह बचत क्रांति

मुख्यमंत्री से चर्चा करते हुए खरीदारी कर रहे रिटायर्ड एयरफोर्स अधिकारी श्री टी. पी. सिंह ने कहा कि आने वाले समय में जब इस दौर का इतिहास लिखा जाएगा, तब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए जीएसटी सुधार को ऐतिहासिक बजट क्रांति के रूप में दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा- "पहले हम जितने पैसों में 30 दिन का राशन लेते थे, अब उन्हीं पैसों से 40 दिन से अधिक का राशन ले पा रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री ही इतना बड़ा साहसिक निर्णय ले सकते थे, कोई और ऐसा नहीं कर पाता।

स्टेशनरी में 12 प्रतिशत था टैक्स, अब हो गया जीरो

राजधानी रायपुर के अवंती विहार निवासी लद्दाराम नैनवानी ने बताया कि जीएसटी सुधार का सकारात्मक प्रभाव शिक्षा से भी जुड़ा है। शुभम "के मार्ट" में मुख्यमंत्री को नोटबुक दिखाते हुए उन्होंने कहा- "पहले इस पर 12 प्रतिशत टैक्स लगता था, लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी जी ने इसे शून्य कर दिया है। इस ऐतिहासिक कदम से कॉपियाँ और आवश्यक स्टेशनरी सस्ती हो गई हैं। ऐसा निर्णय हमारे प्रधानमंत्री ही कर सकते हैं।" उन्होंने आगे बताया- "पहले मैं बच्चों के लिए सालाना लगभग 2,000 रुपये की स्टेशनरी लेता था और अब इसमें लगभग 240 रुपये की बचत हो रही है। मार्ट में खरीदारी करने पहुंचे श्री मुरलीधर ने मुख्यमंत्री से बातचीत में बताया- "मैं आज केवल 4 ज़रूरी सामान खरीदने आया था, लेकिन जीएसटी दरों में कमी देखकर 4 गुना अधिक सामान खरीद लिया। जीएसटी में व्यापक सुधार से रोजमर्रा की सामग्रियाँ सस्ती हुई हैं।

वोट चोरी पर चुनाव आयोग का ई-लॉक, वोटर लिस्ट से नाम हटाने की गड़बड़ी रोकने के लिए शुरू किया नया सिस्टम

नई दिल्ली(एजेंसी)। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया में गड़बड़ी रोकने के लिए नया ई-वेरिफिकेशन सिस्टम लागू किया है। अब कोई भी व्यक्ति यदि नाम हटाने या शामिल करने पर आपत्ति जताएगा, तो उसके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजा जाएगा। इस कदम का उद्देश्य फर्जी आवेदन रोकना और वोटर लिस्ट को सही-सही बनाए रखना है। ईसी अधिकारियों ने बताया कि कई मामलों में लोग आपत्ति दर्ज कराते समय किसी और का नाम और मोबाइल नंबर डाल देते थे। इससे गलत नाम हटाने की कोशिशें होती थीं। नया सिस्टम इस दुरुपयोग को रोकने में मदद करेगा। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह कदम किसी खास घटना के बाद नहीं, बल्कि पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए उठाया गया है।

अलंद विधानसभा का मामला

कर्नाटक की अलंद विधानसभा क्षेत्र में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के 6,018 आवेदन ऑनलाइन आए थे। इनमें से केवल 24 ही सही पाए गए, जबकि 5,994 आवेदन गलत निकले। आयोग ने सही पाए गए 24 आवेदन स्वीकार किए और बाकी को खारिज कर दिया। ईसी ने साफकिया कि फॉर्म-7 भरने से नाम अपने आप नहीं हटता, बल्कि सत्यापन प्रक्रिया के बाद ही फैसला लिया जाता है।

कांग्रेस का आरोप और राहुल गांधी का बयान

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने

आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने वोट चोरी पर ताला तभी लगाया जब उन्होंने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार चोरी हमने पकड़ी और तभी आपको ताला लगाने की याद आई। अब हम चोरों को भी पकड़ेंगे। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से यह भी पूछा कि वे अलंद में वोटर डिलीशन मामले का सबूत कर्नाटक सीआईडी को कब देंगे।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि ई-वेरिफिकेशन फीचर केवल पारदर्शिता और गड़बड़ी रोकने के लिए जोड़ा गया है। वोटर चाहे तो ऑनलाइन फॉर्म-सात भर सकता है, लेकिन केवल आवेदन से नाम नहीं हटता। हर आवेदन की गहन जांच और वेरिफिकेशन के बाद ही कार्रवाई होती है। आयोग का कहना है कि यह कदम पूरे देश में चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए है। ईसी के इस कदम को चुनावी प्रक्रिया में बड़ा सुधार माना जा रहा है। माना जा रहा है कि मोबाइल वेरिफिकेशन की बाध्यता से गलत और फर्जी आवेदन लगभग असंभव हो जाएंगे। इससे न केवल नाम हटाने की प्रक्रिया साफ-सुथरी होगी बल्कि राजनीतिक दलों के बीच विवाद भी कम होंगे। हालांकि, कांग्रेस और विपक्ष का मानना है कि आयोग को और पारदर्शिता लानी होगी।

एसआई भर्ती-2021 लीक मामला

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक, चयनित अभ्यर्थियों की ट्रेनिंग अटकी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान सब-इंस्पेक्टर (एसआई) पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश पर रोक लगा दी है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने अंतिम निर्णय होने तक किसी भी चयनित एसआई को ट्रेनिंग देने पर रोक भी लगा दी है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने 8 सितंबर को एसआई भर्ती परीक्षा रद्द किए जाने के हाईकोर्ट सिंगल बैंच के निर्णय पर रोक लगा दी थी। इस फैसले के विरोध में याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट चले गए थे। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें जस्टिस संजय करोल और जस्टिस मनमोहन शामिल थे, ने आज राजस्थान हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच द्वारा 8 सितंबर 2025 को दिए गए अंतरिम आदेश पर रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में चयनित एसआई अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग में शामिल होने की अनुमति दी थी, लेकिन उनकी फील्ड पोस्टिंग पर रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस व्यवस्था को अस्वीकार करते हुए स्पष्ट किया कि मुख्य अपील पर अंतिम निर्णय होने तक किसी भी चयनित उम्मीदवार

को ट्रेनिंग नहीं दी जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच इस अपील का निस्तारण तीन महीने के भीतर करे। तब तक 18 नवंबर 2024 को एकलपीठ द्वारा पारित आदेश, जिसमें पूरी चयन प्रक्रिया रोक दी गई थी, यथावत लागू रहेगा। राजस्थान सरकार की ओर से इस मामले में अतिरिक्त महाधिवक्ता (एत्र) शिवमंगल शर्मा ने दलील दी कि उम्मीदवारों को ट्रेनिंग की अनुमति दी जाए, भले ही उन्हें फील्ड पोस्टिंग न दी जाए, जैसा कि डिवीजन बेंच ने अनुमति दी थी।

तिहाड़ जेल से नहीं हटेंगी अफजल गुरु और मकबूल भट्ट की कब्रें, हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने संसद हमले के दोषी मोहम्मद अफजल गुरु और जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के संस्थापक मोहम्मद मकबूल भट्ट की कब्रों को तिहाड़ जेल परिसर से हटाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने इसे एक अत्यंत संवेदनशील मामला बताते हुए कहा कि एक दशक से अधिक समय पहले सरकार द्वारा सोच-समझकर लिए गए फैसले को अब दोबारा नहीं खोला जा सकता।

बुधवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट किया कि फांसी के बाद शव को जेल परिसर में ही दफनाने का निर्णय उस समय के संभावित परिणामों और हालातों को ध्यान में रखकर लिया गया था। कोर्ट ने कहा, वहां 12 वर्षों से कब्र है। यह सरकार का एक नीतिगत निर्णय था। अब इसे बदलने का सवाल ही नहीं उठता।

अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि इस तरह के मामलों में फैसला लेने का अधिकार केवल सक्षम प्राधिकारी (सरकार) के पास है।

अपनी अवाम पर बम गिराने से फुर्सत मिले तो', यूएन में भारत के क्षितिज त्यागी ने पाक को जमकर धोया

नई दिल्ली/जिनेवा (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 60वें सत्र में भारत ने पाकिस्तान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान की सेना ने खैबर पख्तूनख्वा में अपने ही नागरिकों पर लड़ाकू विमानों से बमबारी की है, जिसमें महिला और बच्चों समेत कई निर्दोष लोगों की जान गई है।

भारत की ओर से जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र में स्थायी मिशन के काउंसलर क्षितिज त्यागी ने कहा कि पाकिस्तान ऐसा देश है जो अपने ही मासूम नागरिकों पर हवाई हमले करता है और फिर मानवाधिकार की बात करता है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान जैसे देश इस वैश्विक मंच

का उपयोग दुष्प्रचार फैलाने और ध्यान भटकाने के लिए कर रहे हैं।

भारत ने 22 सितंबर की रात खैबर पख्तूनख्वा की तिराह घाटी में हुए कथित हमले का हवाला दिया। बताया गया कि पाकिस्तान की वायुसेना ने इलाके में बमबारी की, जिसमें 30 से अधिक लोगों की मौत हो गई। स्थानीय प्रतिनिधियों ने इसे 'जेट बॉम्बिंग' करार दिया है। घटनास्थल से आई तस्वीरों में मृत बच्चों की लाशें और खाटों पर रखे शव देखे गए, जिससे मानवाधिकार उल्लंघन का गंभीर मामला सामने आया है।

ह॥त्रष्ट में अपने बयान में भारत ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को संरक्षण देने, अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधित आतंकियों को पनाह देने और भारत के खिलाफ लगातार दुष्प्रचार फैलाने का आरोप भी लगाया। क्षितिज त्यागी ने कहा कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था लगभग जीवन रेखा पर पहुंच चुकी है, लेकिन उसे अपनी हालत सुधारने के बजाय अब भी आतंक और झूठ फैलाने से फुर्सत नहीं है।

भारत ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के उदाहरण गिनाते हुए पुलवामा, उरी, पठानकोट, मुंबई और हाल ही में हुए पहलगाम हमले का ज़िक्र किया। साथ ही, यह भी याद दिलाया कि पाकिस्तान ने कभी अल-कायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को भी पनाह दी थी।

भारत ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ह॥त्रष्ट और इस्लामिक सहयोग संगठन (ह्रद्भष्ट) जैसे मंचों का बार-बार दुरुपयोग कर रहा है। क्षितिज त्यागी ने पाकिस्तान के बयानों को 'पुनर्चक्रित झूठ' करार दिया और कहा कि भारत अपने नागरिकों की रक्षा और संप्रभुता की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राज्य का दर्जा मांग रहे प्रदर्शनकारियों ने लेह में भाजपा ऑफिस जलाया; शहर में मार्च-रैली बैन

लद्दाख में हिंसा, 4 की मौत, 72 घायल

लेह (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर लेह में बुधवार को हिंसक प्रदर्शन हुआ। छात्रों की पुलिस और सुरक्षाबलों से झड़प हो गई। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई और 70 से ज्यादा लोग घायल हैं।

प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने पुलिस पर पत्थरबाजी की। भाजपा ऑफिस और सीआरपीएफ की गाड़ी में आग लगा दी। उधर, प्रशासन ने लेह में बिना अनुमति रैली, प्रदर्शन पर बैन लगा दिया है।

ये छात्र सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के समर्थन में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वांगचुक पिछले 15 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे थे। मांगें पूरी न करने के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने आज बंद बुलाया था। इसी दौरान हिंसा हुई।

यह लद्दाख के लिए दुख का

दिन है। हम पांच साल से शांति के रास्ते पर चल रहे थे। अनशन किया, लेह से दिल्ली तक पैदल चलकर गए। आज हम शांति के पैगाम को असफल होते हुए देख रहे हैं। हिंसा, गोलीबारी और आगजनी हो रही है। मैं लद्दाख की युवा पीढ़ी से अपील करता हूं कि इस बेवकूफी को बंद करें। हम अपना अनशन तोड़ रहे हैं, प्रदर्शन रोक रहे हैं।

इन मांगों को लेकर अगली बैठक दिल्ली में 6 अक्टूबर को होगी। साल 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए हटाते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। सरकार ने उस समय ही राज्य के हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का भरोसा दिया था।

सोनम वांगचुक के समर्थन में सैकड़ों स्थानीय लोग प्रदर्शन में शामिल हुए। पुलिस छात्रों के प्रदर्शन रोकने आई तो प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। पुलिस की कार्रवाई के बाद प्रदर्शनकारियों ने लेह में बीजेपी ऑफिस में आग लगा दी। प्रदर्शन कर रहे युवा बेकाबू हो गए और ष्टक्रक्क की गाड़ी भी फूंक दी।

सोशल मीडिया से भीड़ जुटाई

आंदोलनकारियों ने मंगलवार की रात को 24 सितंबर को लद्दाख बंद बुलाने का आह्वान किया था। भीड़ जुटाने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया गया। लोगों से लेह हिल काउंसिल पहुंचने की अपील की। इसका असर दिखा और बड़ी तादाद में लोग पहुंचे।

पुलिस-प्रदर्शनकारियों की झड़प

लेह हिल काउंसिल के सामने आंदोलनकारियों को रोकने के लिए बैरिकेड्स लगा रखे थे। जब आंदोलन कारी आगे बढ़े तो पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी, लेकिन भीड़ ने पुलिस की गाड़ी जलाई और तोड़फोड़ की। सोनम वांगचुक ने लेह में हुई हिंसा पर दु:ख जताया। उन्होंने कहा कि युवाओं में बढ़ती नाराजगी इस हिंसा का कारण बनी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को एक 72 साल के आदमी और 62 साल की महिला को घायल होने पर अस्पताल ले जाना पड़ा था। यह घटना हिंसा का मुख्य कारण बनी। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का कोई असर न होने से युवाओं में गुस्सा बढ़ा। कुछ रिपोर्ट में कहा गया है कि 3 से 5 युवाओं की मौत हुई।

भारत हमारे पक्ष में, ऊर्जा पर मतभेद सुलझाए जा सकते हैं', रूस से जंग के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति ने दिया बयान

जिनेवा (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भारत को लेकर अहम बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि भारत ज्यादातर हमारे पक्ष में है और ऊर्जा से जुड़े कुछ मुद्दों पर मतभेद हैं, जिन्हें बातचीत के जरिए सुलझाया जा सकता है। जेलेंस्की ने कहा कि भारत एक वैश्विक शक्ति है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने यूरोपीय देशों से अपील की कि वे भारत के साथ अपने संबंध और अधिक मजबूत करें। इससे पहले भी जेलेंस्की ने चीन को लेकर कहा था कि अगर वह सच में युद्ध समाप्त करना चाहता है तो उसे रूस पर दबाव बनाना चाहिए।

हाल ही में यूक्रेन के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध के मौजूदा हालात पर चर्चा की। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए लिखा था कि उन्होंने पीएम मोदी को वाशिंगटन में हुई बैठक के बारे में बताया, जिसमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कई यूरोपीय नेताओं ने हिस्सा लिया।

जेलेंस्की ने लिखा, यह एक महत्वपूर्ण चर्चा थी, जिसमें यह साझा समझ सामने आई कि कैसे वास्तविक और टिकाऊ शांति हासिल की जाए। मॉस्को ने नागरिक ठिकानों पर हमले किए हैं और हमारे कई नागरिक मारे गए हैं। मैं प्रधानमंत्री मोदी को पीड़ितों

के प्रति संवेदना जताने के लिए धन्यवाद देता हूं।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पिछले सप्ताह कहा था कि रूस ने अब तक यूक्रेन के भीतर 3,500 से अधिक ड्रोन, 2,500 शक्तिशाली ग्लाइड बम और लगभग 200 मिसाइलें दागी हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि यूरोपीय देशों को मिलकर अपने आसमान की सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली पर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, इस तरह की रक्षा प्रणाली के लिए तकनीकें उपलब्ध हैं, बस निवेश और इच्छाशक्ति की जरूरत है। हमें अपने सभी साझेदारों से ठोस फैसलों और मजबूत कार्रवाई की उम्मीद है।

जेलेंस्की ने एक बार फिर चीन को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर चीन चाहता है कि यह युद्ध खत्म हो, तो उसे रूस पर दबाव बनाना चाहिए। यूक्रेन लंबे समय से यह मांग करता रहा है कि वैश्विक ताकतें रूस को कूटनीतिक और आर्थिक रूप से अलग-थलग करें, ताकि युद्ध पर विराम लग सके।

संक्षिप्त समाचार

सेवानिवृत्त व्याख्याता मनोज कुमार तिवारी का हुआ सम्मान

बिर्रा। विकासखंड बम्हनीडीह के अंतर्गत संकुल स्त्रोत केंद्र बिर्रा में हमारे देश के भूतपूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षक सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन जी के जन्म जयंती के शुभ अवसर पर 24 सितंबर दिन बुधवार को संकुल स्तरीय शिक्षक सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सेवानिवृत्त व्याख्याता मनोज कुमार तिवारी का तिलक वंदन के साथ पुष्पहार एवं साल और श्रीफल से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर संकुल केंद्र बिर्रा, संकुल केंद्र सिलादेही, संकुल केंद्र डीडीएस बिर्रा के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं और बच्चे भारी संख्या में उपस्थित थे।

श्री मयंक शुक्ला सहायक संचालक व श्रीमती रिचा अग्रवाल लेखापाल की सेवा समाप्त

जांजगीर-चांपा/ लाईवलीहुड कालेज में उपस्थिति के संबंध में फिंगरप्रिंट क्लोन बनाकर अनुपस्थित छात्र-छात्राओं का बायोमैट्रिक मशीन में उपस्थिति दर्ज करते वीडियों के संबंध में शिकायत प्राप्त हुआ था। उक्त शिकायत के जांच हेतु जिला स्तरीय जांच दल का गठन उपरांत जांचकर्ता अधिकारियों द्वारा प्रतिवेदन प्राप्त किया गया। जांच में उक्त कृत्य की सत्यता प्रमाणित हुई तथा उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब समाधानकारक नहीं पाये गये एवं आरोप प्रमाणित पाये गये। श्री मयंक शुक्ला सहायक संचालक (संविदा) व श्रीमती रिचा अग्रवाल लेखापाल (संविदा) लाईवलीहुड कॉलेज के विरूद्ध आरोप प्रमाणित होने तथा उनका यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम 2012 के विरूद्ध होने के कारण उनको एक माह का वेतन भुगतान करते हुए उनकी सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त की गई है।

संस्कार सिटी कॉलेज में गरबा महोत्सव, मां अंबे की आरती के साथ हुई शुरुआत

राजनांदगांव। संस्कारधानी के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, ठाकुरटोला में बुधवार 24 अगस्त को नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। पूरे परिसर में उल्लास और भक्ति का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत मां अंबे की विधिवत आरती और पूजन के साथ हुई। इस दौरान कॉलेज की प्राचार्य डॉ. गुरप्रीत कौर छाबड़ा, सभी सहायक प्राध्यापक और प्रशिक्षणार्थी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। पूजा के बाद पारंपरिक गरबा नृत्य की प्रस्तुतियां दी गईं, जिसमें छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। गरबा की थाप पर सजे-धजे विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे परिधानों में शानदार प्रस्तुति दी। आयोजन के अंत में सभी को हलवा-पूरी का प्रसाद वितरित किया गया। कॉलेज परिवार की ओर से बताया गया कि इस तरह के आयोजनों से न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को बल मिलता है, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में भी सहायक सिद्ध होते हैं।

आईडीबीआई बैंक की 310 शाखाओं पर रिटेल लोन उत्सव शुरू हुआ

आगामी त्योहारों की खुशी में आईडीबीआई बैंक ने 22 सितंबर से 4 अक्टूबर, 2025 तक एक विशेष 'रिटेल लोन उत्सव' शुरू किया है। बैंक के ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ 'बैंक ऐसा दोस्त जैसा' की ब्रांड फ़िलॉसफ़ी के अंतर्गत आईडीबीआई बैंक ने हाउसिंग लोन, ऑटो लोन, एजुकेशन लोन, प्रॉपर्टी पर लोन और पर्सनल लोन आदि पर विशेष ऑफर पेश किए हैं। रिटेल लोन उत्सव को भारतीय परिवारों की बढ़ती जरूरतों के अनुरूप तैयार किया गया है, ताकि वो त्योहारों के शुभ अवसर पर अपनी जीवनशैली और वित्त से संबंधित जरूरतों को पूरा कर सकें। आईडीबीआई बैंक का ×स39;रिटेल लोन उत्सव भारत के 29 राज्यों के 156 जिलों में बैंक की 310 शाखाओं पर चल रहा है। आईडीबीआई बैंक के डीएमडी, श्री सुमित फक्का ने कहा, रिटेल लोन उत्सव त्योहारों के अवसर पर ग्राहकों के साथ हमारा जुड़ाव मज़बूत करेगा। इस उत्सव में हम ग्राहकों को अनुकूलित विशेषताओं और आकर्षक शर्तों तथा सुगम प्रोसेसिंग के साथ लोन प्रदान कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य अपने ग्राहकों को नई शुरुआत का आनंददायक और समृद्ध अनुभव प्रदान करना है।

जांजगीर चांपा पुलिस की मानवीय पहल – पीड़ित परिवार की बेटियों की शिक्षा की जिम्मेदारी उठाई

बिर्रा। समय दर्शन/ थाना बिर्रा क्षेत्रांतर्गत ग्राम करही गांव में हुए तीन जघन्य हत्या कांड के पीड़ित परिवारों की बेटियों की शिक्षा की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पाण्डेय (IPS) ने ली।*

मृतक महेन्द्र बघेल की नन्ही बेटी मायरा बघेल का अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में एडमिशन कर पूरा वार्षिक शुल्क व ट्रांसपोर्ट शुल्क पुलिस विभाग द्वारा वहन।

मृतक मनोज कश्यप की बेटी सोनिया कश्यप को स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित कर महाविद्यालयीन शिक्षा हेतु प्रयास जारी।

पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस टीम द्वारा पीड़ित परिजनों से सीधे मिलकर संवेदना व्यक्त करते हुए, सुरक्षा भाईचारा और शिक्षा को प्राथमिकता देने का संकल्प।

ग्रामवासियों एवं परिजनों ने पुलिस विभाग की इस पहल को मानवीयता और सामुदायिक पुलिसिंग का सकारात्मक उदाहरण बताया।

गौरतलब है कि थाना बिर्रा क्षेत्र के ग्राम करही,

तहसील हसौद जिला सक्ती में माह सितम्बर 2025 में हुई तीन जघन्य हत्या की घटना के बाद मृतक परिवार गहरे शोक और आर्थिक कठिनाई से गुजर रहे थे। विपरीत परिस्थितियों में बच्चों की शिक्षा बाधित हो रही थी। इस पीड़ा को समझते हुए श्रीमान् पुलिस अधीक्षक, जिला जांजगीर-चांपा, श्री विजय कुमार पाण्डेय (भा.पु.से.) ने अपने मातहत एसडीओपी चांपा यदुमणि सिदार एवं थाना प्रभारी बिर्रा जय कुमार साहू के साथ घर जाकर पीड़ित परिवारों से भेंट की और उनकी समस्याओं को सुना।

इस दौरान मृतक उपसरपंच महेन्द्र बघेल की नन्ही बेटी कु मायरा बघेल, जो ग्राम पेण्ड्री (जिला सक्ती) स्थित एम.एस. कश्यप बाल संस्कार अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में अध्ययनरत है, परिवार में विपत्ति एवं आर्थिक स्थिति के कारण अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पा रही थी। पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मायरा की पूरे शैक्षणिक सत्र (2025-26) की फीस व ट्रांसपोर्ट शुल्क स्वयं वहन करने का संकल्प लिया।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसानुसार थाना प्रभारी बिर्रा निरीक्षक जयकुमार साहू की टीम ने विद्यालय जाकर संपूर्ण शुल्क का भुगतान किया। साथ ही छात्रा कु मायरा को किताबें, कॉपी, स्कूल बैग और अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। इसी प्रकार मृतक मनोज कश्यप की बड़ी पुत्री सोनिया कश्यप, जो कक्षा 12वीं उत्तीर्ण कर चुकी हैं, उन्हें उच्च शिक्षा जारी रखने हेतु प्रेरित किया गया। उनके स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं चूंकि शिक्षा सत्र प्रारंभ हो चुका है फिर भी प्रयास जारी है !

समाज में सकारात्मक संदेश- इस पहल से स्पष्ट होता है कि पुलिस केवल कानून और व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि वह समाज के जरूरतमंद वर्गों के साथ मानवीय दृष्टिकोण से खड़ी है। ग्राम करही के शोकाकुल परिवारों ने पुलिस अधीक्षक सहित संपूर्ण पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया और इसे सामुदायिक पुलिसिंग का उत्कृष्ट उदाहरण बताया गया है।

ओबीसी वर्ग की योजनाओं में अधिक सहभागिता सुनिश्चित करना आयोग का मुख्य लक्ष्य : छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग अध्यक्ष आर.एस. विश्वकर्मा

जिला स्तरीय विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

जांजगीर-चांपा/ छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष, केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त आईएएस (सेवानिवृत्त) श्री आर.एस. विश्वकर्मा ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान आयोग के सदस्य श्री नीलांबर नायक, श्री बलदाऊ राम साहू, श्री हरिशंकर यादव, श्री यशवंत सिंह वर्मा, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय, वनमंडलाधिकारी श्री हिमांशु डोंगरे, जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल कुमार रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्री आर के तंबोली, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप सिंह ठाकुर सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग अध्यक्ष श्री विश्वकर्मा ने आयोग के गठन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आयोग का उद्देश्य अन्य पिछड़ा वर्ग के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करना है। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा विभिन्न योजनाओं में ओबीसी वर्ग की सहभागिता बढ़ाना, अब तक योजनाओं से वंचित जातियों की पहचान करना तथा उनके हित में ठोस कदम उठाना प्राथमिकता है। उन्होने अन्य पिछड़ा वर्ग के समाजिक एवं आर्थिक सर्वे की पंचायतवार विस्तारपूर्वक जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों आदिवासी विकास, समाज कल्याण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, पशुधन, मछली पालन, श्रम, शिक्षा, ग्रामोद्योग, रेशम तथा सांख्यिकी द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की गई। इस दौरान अध्यक्ष ने ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को शिक्षा, खेल और अन्य गतिविधियों से जोड़ने, स्कूलों में सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के सदस्यों ने जाति प्रमाण पत्र जारी करने में आ रही कठिनाइयों, क्रीमीलेयर और नॉन क्रीमीलेयर की स्थिति पर चर्चा करते हुए इसे दूर करने के लिए प्रशासनिक पहल करने पर बल दिया। साथ ही विद्यार्थियों हेतु छात्रावास भवन की मांग को भी प्राथमिकता देने की बात कही। बैठक में जिले के शहरी व ग्रामीण इलाकों में हुए ओबीसी सर्वे की समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा क्वांटीफाएबल डाटा तैयार किया जा रहा है और शासन की योजनाओं का लाभ ओबीसी वर्ग तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन किया जाएगा।

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी का बिजली बिल समस्या के खिलाफ जंगी प्रदर्शन

हजारों आक्रोशित महिला-पुरुष जबर गोहार धरने में हुए शामिल

हिंदी भवन के सामने धरना देकर कलेक्टर को दिया ज्ञापन

बिजली बिल बढोत्तरी,लो वोल्टेज,कटौती,स्मार्ट मीटर में बेईमानी थे प्रमुख मुद्दे

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के राजनैतिक विंग जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने मंगलवार को दुर्ग शहर के हृदयस्थल हिंदी भवन के सामने बिजली मुद्दे को लेकर जबरदस्त धरना- प्रदर्शन किया । दिन भर हुए धरने में वक्ताओं ने सरकार द्वारा तिगुने-चौगुने बढ़ाए गये बिजली बिल,अंधाधुंध बिजली कटौती,लो वोल्टेज और मेट्रो ट्रेन की स्पीड से चलने वाले नये स्मार्ट मीटर पर जमकर आक्रोश व्यक्त किया । उनका कहना था कि हमारे ही हरे-भरे जंगलों को काट कर, छत्तीसगढ़िया लोगों को उनके जमीन से बेदखल करके, धरती से कोयला खोद कर अन्य राज्यों को सस्ते में बिजली बांटी जा रही है जिसकी अरबों रुपयों की देनदारी भी

खटारा इंजन की सरकार नहीं वसूल पा रही है । उसी की वसूली यहाँ की गरीब जनता से की जा रही है । इस तरह से अपनी ही जनता को दोहरी मार देकर प्रताड़ित किया जा रहा है । महिला वक्ताओं ने तो यहां तक कह दिया हमें महतारी वंदन योजना की भीख नहीं चाहिये , हमें उचित दर पर बिजली, शिक्षा ,अस्पताल और रोजगार चाहिये ।

धरनास्थल पर जब जिला प्रशासन का कोई अधिकारी नहीं पहुंचा तब हजारों लोगों का हुजूम जिला कलेक्ट्रेट पहुंचा एवं प्रशासनिक अधिकारियों को राज्यपाल के नाम ज्ञापन देने के साथ-साथ कंडील(लालटेन) भी भेंट किया ,इस संदेश के साथ कि आम जनता को अंधकार-युग में फिर से भेजे जाने के लिये सरकार के साथ प्रशासन भी होश में रहे ।

मंगलवार के प्रदर्शन में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रदेश महासचिव भूषण साहू, प्रदेश सहसचिव अरुण गंधर्व, जिला अध्यक्ष राहुल वर्मा, ग्रामीण जिलाध्यक्ष मधुकांत साहू, पूर्व शहर अध्यक्ष पंकज चतुर्वेदी ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष कौशल साहू एवं सैकड़ो पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय रुप से उपस्थित रहे । बताया गया कि तेईस सितंबर को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में एक साथ हुए धरना प्रदर्शन से सरकार नींद से नहीं जागी तो आगे राजधानी में बड़े प्रदर्शन के लिये सरकार तैयार रहे ।

जल्दी शुरुआत की ताकत 35 से पहले रिटायरमेंट को करें सिक्योर

बहुत से युवा प्रोफेशनल्स को लगता है कि उनकी रिटायरमेंट बहुत दूर की बात है। अक्सर होम लोन, शादी की तैयारी और बच्चों को बड़े करने जैसे तात्कालिक लक्ष्य के पीछे रिटायरमेंट की तैयारी पीछे छूट जाती है। वैसे तो इन बातों को प्राथमिकता में रखना स्वाभाविक है, लेकिन इसकी अक्सर बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है, जिस पर नजर नहीं जाती। रिटायरमेंट प्लानिंग में देरी करना एक क्रिटिकल एरर है। एक ऐसी गलती, जो कुछ दशक में बहुत बड़ी गलती बन जाती है और कम सुरक्षित या वित्तीय रूप से परेशानियों वाले भविष्य का कारण बनती है। अनुराग गुप्ता,एग्जीक्यूटिव वाईस प्रेजिडेंट एक्सिस मैक्स लाइफ इन्शुरन्स लिमिटेड ने बताया बदलती सच्चाई को देखते हुए अब नजरिया बदलने की जरूरत : पारंपरिक तौर पर भारत में रिटायरमेंट को नियोक्ता (एम्प्लॉयर) से मिलने वाली पेंशन, संयुक्त परिवार की व्यवस्था और कुछ हल्के लक्ष्य से सपोर्ट मिलता है। आज की तारीख में सपोर्ट स्ट्रक्चर बदल रहा है। बढ़ती जीवन प्रत्याशा और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत एवं महंगाई के कारण लॉन्ग टर्म सेविंग्स कम हो रही हैं। एकल परिवार अब संयुक्त परिवारों की जगह ले रहे हैं और बहुत कम ही कंपनियां गारंटीड पेंशन दे रही हैं। अब अपने रिटायरमेंट को सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी स्वयं की ही है। पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) की वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 के मुताबिक, राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) में लोगों की सहभागिता बढ़ रही है, लेकिन भारत की कार्यशील आबादी की तुलना में कवरेज अभी भी बहुत कम है। ये तथ्य जीवन में जल्दी ही रिटायरमेंट प्लानिंग की शुरुआत की जरूरत को दिखाने वाले हैं, क्योंकि तैयारी में देरी से अक्सर वित्तीय असुरक्षा और बाद में पछतावे की स्थिति बनती है।

ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, यह व्यापक सामाजिक बदलाव की तस्वीर है, जिससे परिवार, समाज और अर्थव्यवस्था पर स्थायी प्रभाव पड़ता है। अन्य पर निर्भरता और पारंपरिक सपोर्ट स्ट्रक्चर में गिरावट से ज्यादातर भारतीयों को अपने रिटायरमेंट के लिए फंड खुद ही जुटाना पड़ सकता है।

मानसिकता में सकारात्मक बदलाव : बहुत से उत्साहजनक संकेत हैं, जो दिखा रहे हैं कि हालात में बदलाव हो रहा है। करीब 38 प्रतिशत भारतीयों को इस बात का अनुभव हो रहा है कि उन्हें 35 की उम्र से पहले रिटायरमेंट प्लानिंग कर लेनी चाहिए। वित्तीय जागरूकता बढ़ने, डिजिटल की बढ़ती पहुंच और इस बात का एहसास होने से कि कम उम्र में कदम उठाना आगे चलकर चिंतामुक्त भविष्य की राह बना सकता है, इससे व्यापक बदलाव आ रहा है। जल्दी प्लानिंग करना बस एक अच्छी बात नहीं है, बल्कि यह अप्रत्याशित भविष्य को सुरक्षित रखने की दिशा में आवश्यक कदम भी है।

जल्दी शुरुआत की ताकत : रिटायरमेंट प्लानिंग में सबसे ज्यादा शक्तिशाली फैक्टर होता है समय। जीवन के तीसरे या चौथे दशक में शुरुआत करने से आपके पैसे को चक्रवृद्धि ब्याज के साथ बढ़ने के लिए कुछ दशक का समय मिल जाता है। थोड़ा सा भी पैसा अगर लगातार निवेश किया जाए, तो एक समय बाद बहुत बड़ी राशि बन जाती है।

जिले के 78 स्कूलों के शौचालय अति जर्जर

व्यवस्था के नाम पर वाहवाही लूटने की कवायद का पर्दाफास, बच्चे शौचालय के लिए बाहर जाने को मजबूर, शिक्षा विभाग की पोल खोलती लचर व्यवस्था

अभय धृतलहरे

महासमुन्द (समय दर्शन)। शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले सारी व्यवस्था दुरुस्त कर लेने का दावा करने वाली शिक्षा विभाग की पोल महज साढ़े तीन माह मे ही खुल कर सामने आ गयी है।

मामला महासमुंद जिले के स्कूलो का है। जिले में स्कूल का भवन तो है, पर शौचालय का हाल बेहाल है। किसी स्कूल मे शौचालय अति जर्जर हो जाने के कारण इस्तेमाल योग नही है और कभी भी जमीदोज़ होने जैसे हालात मे है?

अनेक स्कूलों में शौचालय है, पर पानी की व्यवस्था नही है? जिसके चलते छात्र- छात्राओं को शौचालय के लिए स्कूल से बाहर या फिर अपने घर जाना पड़ता है। शाला विकास समिति के अध्यक्ष व प्रधान पाठकों का कहना है कि मांग पत्र वर्षों से देते देते थक चुके हैं ,पर सुनने वाला कोई नहीं है। बावजूद शिक्षा विभाग के आला अधिकारी रटारटाया राग अलाप रहे है ।

महासमुंद जिले में कुल (प्राइमरी, मिडिल , हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी) 1956 स्कूल है। जिनमें 1 लाख 99 हजार 892 छात्र- छात्राये अध्ययनरत है।

महासमुंद जिले में कुल 78 स्कूल ऐसे है जहां शौचालय अति जर्जर हो जाने के कारण बच्चे इस्तेमाल नही कर पा रहे है ।

शासकीय प्राथमिक शाला परसवानी जिला मुख्यालय से महज 7 किमी पर है, यहां कक्षा पहली से पांचवी तक के 44 छात्र- छात्राये अध्ययनरत है, पर स्कूल में शौचालय नही होने के कारण बच्चे शौक के लिए बाहर जाते है ।

कुछ जगह के शौचालय पूरी तरह से जर्जर हो चुके है। दीवारो में दरारे पड़ गयी है,छत व दीवार के बीच दरारे साफदेखी जा सकती है । शौचालय की दीवार व छत कभी भी गिर सकता है, जिसके कारण शिक्षक शौचालय में ताला लगा दिये है।

वही हाई स्कूल सिरबोडा सरायपाली के खगेन्द्र ने बताया कि शौचालय तो बना है, पर पानी नही होने के कारण बाहर जाना पड़ता है। ऐसा नही है कि शाला समिति के अध्यक्ष व प्रधान पाठक ने सुध नही ली है। अपने - अपने स्तर पर शिक्षा विभाग के आला अधिकारी, कलेक्टर, विधायक सबके पास जाकर आवेदन दिया जा चुका है। पर कोई सकारात्मक परिणाम नही आया है।

इस पूरे मामले में जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे ने बताया कि 78 स्कूलों मे शौचालय निर्माण व मरम्मत के लिए ग्रामीण यांत्रिकी विभाग को कार्य एजेंसी बनाया गया है, उम्मीद है कि दो माह के आसपास बन जाना चाहिए ।

गौरतलब है कि शिक्षा विभाग का ये स्लोगन स्कूल आ पढ़े बर, जिनगी ला गढ़े बर, पर सवालिया निशान लगा लगाता है कि शिक्षक का अभाव, जर्जर भवन, शौचालय की सुविधा नहीं है तो बच्चो का भविष्य कैसे उज्जवल होगा है।

प्रधानमंत्री मोदी जी के विज़न के साथ कदमताल करते हुए छत्तीसगढ़ विकसित भारत का हिस्सा बनेगा – मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

छत्तीसगढ़ केयर कनेक्ट : स्वास्थ्य, वेलनेस और पर्यटन निवेश का नया युग

रायपुर। छत्तीसगढ़ अब केवल कोर सेक्टर तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले समय में यह वेलनेस, हेल्थकेयर और पर्यटन के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय पहचान बनाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज ओमाया गार्डन, रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ केयर कनेक्ट कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने उद्बोधन की शुरुआत शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाओं से की और कहा कि यह आयोजन ऐसे समय में हो रहा है, जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में लागू जीएसटी 2.0 ने अर्थव्यवस्था को सरलता, पारदर्शिता और तेजी की दिशा में आगे बढ़ाया है। इस सुधार ने निवेशकों और उद्यमियों के लिए अभूतपूर्व अवसर खोले हैं।

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ केयर कनेक्ट कार्यक्रम में हुए शामिल– मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विज़न के साथ कदमताल करते हुए प्रदेश सरकार ने विकसित छत्तीसगढ़ का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को साकार करने के लिए पिछले डेढ़ वर्ष में 350 से अधिक सुधार लागू किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब हम इज ऑफ डूइंग बिज़नेस से आगे बढ़कर स्पीड आफ डूइंग बिज़नेस के युग में प्रवेश कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ केयर कनेक्ट कार्यक्रम में हुए शामिल– मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नई औद्योगिक नीति छत्तीसगढ़ की प्रगति की आधारशिला है। इसी नीति ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है और यही कारण है कि मात्र एक वर्ष के भीतर प्रदेश को लगभग 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इन प्रस्तावों से लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे और सेवा क्षेत्र को नई पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ केयर कनेक्ट में अस्पतालों और हेल्थकेयर क्षेत्र में 11 बड़े प्रस्ताव सामने आए हैं। इनमें रायपुर का गिन्नी देवी गोयल मणिपाल हॉस्पिटल (500 बेड), नीरगंगा हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (450 बेड), बॉम्बे हॉस्पिटल (300 बेड) और माँ पद्मावती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (750 बेड) जैसे बड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कुल मिलाकर 2,466 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है, जिससे लगभग 6,000 नए रोजगार सृजित होंगे।

मेडिसिटी से बनेगा मेडिकल हब– मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नवा रायपुर में विकसित हो रहा मेडिसिटी छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर का बड़ा मेडिकल हब बनाएगा। प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों से भी यहां मरीज आते हैं। मेडिसिटी के निर्माण से स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होंगी और विश्वस्तरीय सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में फार्मा सेक्टर में भी निवेश की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश सरकार फार्मा हब तैयार कर रही है, जहां एक ही स्थान पर अनेक फार्मा इंडस्ट्री अपना संचालन करेंगी। इससे प्रदेश में दवा उद्योग को नई दिशा मिलेगी और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों के लिए आवश्यक दवाओं की आसान आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

होटल और पर्यटन क्षेत्र में निवेश– मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और जैव विविधता पर्यटन उद्योग के लिए अपार अवसर प्रस्तुत करती है। कार्यक्रम में होटल और पर्यटन क्षेत्र से भी 652 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें वेस्टिन होटल रायपुर (212.7 करोड़ रुपये), होटल जिंजर, इन्फेरियन होटल एंड रिसॉर्ट, अम्यूजोरामा अम्यूज़मेंट पार्क एंड होटल जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

पर्यटन को उद्योग का दर्जा– मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है और इससे निवेशकों को विशेष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि होटल, रिसॉर्ट, होम स्टे और मनोरंजन उद्योग से जुड़े उद्यमी प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और प्रकृति का लाभ उठाकर पर्यटन को नई ऊँचाइयों तक ले जाएं।

निवेश प्रक्रिया की सरलता– मुख्यमंत्री श्री साय ने निवेशकों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में सिंगल विंडो 'वन क्लिक' सिस्टम लागू है, जिसके कारण किसी भी उद्यमी को एनओसी के लिए भटकना नहीं पड़ता। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट के बाद पालीमैटेक कंपनी को तीन माह से भी कम समय में भूमि आवंटन और सभी स्वीकृतियाँ प्रदान कर दी गईं और उन्होंने 1,100 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पर कार्य आरंभ कर दिया।

नई तकनीक और एआई सेक्टर– मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि छत्तीसगढ़ एआई क्रांति का भी स्वागत कर रहा है। नवा रायपुर में एआई डाटा सेंटर पार्क का निर्माण किया जा रहा है, जो भविष्य में प्रदेश को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा मैनेजमेंट का हब बनाएगा। यहां डाटा सेंटर से जुड़े उद्योगों के लिए निवेश की अपार संभावनाएं हैं।

पावर हब की ओर कदम– उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में ऊर्जा सबसे आवश्यक तत्व है। छत्तीसगढ़ देश का पावर हब बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर किया गया हर कार्य है सेवा और राष्ट्र निर्माण का कार्य - मुख्यमंत्री साय

रायपुर। व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर किया गया हर कार्य सेवा और राष्ट्र निर्माण का कार्य होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक राष्ट्रनिर्माण में महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत देशभर में 4 लाख से अधिक विद्यार्थी स्वयंसेवक के रूप में कार्य कर रहे हैं। हमारे प्रदेश में भी एक लाख से अधिक विद्यार्थी सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभा रहे हैं, जो छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। आज जिन स्वयंसेवकों को उनके श्रेष्ठ कार्यों के लिए सम्मानित किया जा रहा है, उन्हें हम हार्दिक बधाई देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज़ादी की लड़ाई के समय यह माना जाता था कि स्वतंत्रता संग्राम में सहयोग देना ही राष्ट्रसेवा है। आज जब देश स्वतंत्र हो चुका है, तो राष्ट्रसेवा का अर्थ है सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में अपना समग्र योगदान देना। एनएसएस के स्वयंसेवक इस दिशा में बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रसेवा का स्वरूप समझाते हुए कहा कि जब हम एक पेड़ लगाते हैं तो राष्ट्रसेवा करते हैं। जब हम किसी को अस्पताल तक पहुँचाते हैं तो राष्ट्रसेवा करते हैं। किसी की आर्थिक मदद करना, किसी को पढ़ने-लिखने में सहयोग करना भी राष्ट्रसेवा ही है। हर कार्य जो हम अपने व्यक्तिगत स्वार्थ से परे होकर करते हैं, वही सेवा और राष्ट्र निर्माण का कार्य है। उन्होंने कहा कि एनएसएस के स्वयंसेवक पूरे मनोयोग से सेवा करते रहें और शिक्षा के प्रचार-प्रसार में योगदान दें ताकि कोई भी शिक्षा से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। नई औद्योगिक नीति के तहत उद्योगों में रोजगार देने वाले उद्यमियों को सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। पिछले 10 महीनों में लगभग 7.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस निवेश से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि सेवा केवल दूसरों की मदद करना ही नहीं है, बल्कि यह चरित्र, सोच और जिम्मेदारी की भावना को आकार देने का माध्यम भी है। युवाओं की ऊर्जा और उत्साह ही समाज और राष्ट्र की असली पूंजी है। एनएसएस स्वयंसेवक जिस लगन और समर्पण से सेवा कार्य कर रहे हैं, वह हमारी युवा शक्ति का परिचायक है। स्वच्छ भारत अभियान की सफलता में एनएसएस स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका रही है। उन्होंने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य सहित अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

आईटीआई परिसर गौरैला में लर्निंग लाइसेंस कैंप आयोजित

रायपुर। सेवा पखवाड़ा अंतर्गत आज आईटीआई परिसर गौरैला में लर्निंग लाइसेंस कैंप आयोजित किया गया और छात्र छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। कैंप का उद्देश्य सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना तथा लर्निंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया को सुलभ और सरल बनाना था। कैंप में बड़ी संख्या में आवेदकों ने भाग लिया। उपस्थित सभी आवेदकों के लर्निंग लाइसेंस मौके पर ही तैयार कर उन्हें उपलब्ध कराए गए। साथ ही उन्हें यातायात नियमों का पालन करने की आवश्यकता, सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी तथा नियमों की अनदेखी से होने वाले दुष्परिणामों के विषय में अवगत कराया गया।

आईटीआई परिसर गौरैला में लर्निंग लाइसेंस कैंप आयोजित

कैंप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री ओम चंदेल एवं जिला परिवहन अधिकारी श्री विवेक सिन्हा के मार्ग-दर्शन में थाना प्रभारी गौरेला श्री सौरभ सिंह एवं श्री सिद्धार्थ शुक्ला व साइबर सेल प्रभारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। श्री शुक्ला ने कहा कि सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा का संदेश प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचना आवश्यक है। हेलमेट का प्रयोग, सीट बेल्ट की अनिवार्यता एवं यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी बाध्यता नहीं बल्कि जीवन की सुरक्षा से सीधा जुड़ा हुआ है। उन्होंने युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित किया कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करें। कैंप मे साइबर प्रभारी द्वारा साइबर फ्रॉड से बचने के लिए जागरूक किया गया एवं टोल फ्री नंबर 1930 के सम्बन्ध मे विस्तृत जानकरी दी गई।

गांव-गांव में डिजिटल सशक्तिकरण : अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र से ग्रामीणों को मिल रही बैंकिंग

रायपुर । महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से जिले में अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि ग्रामीण अंचलों को बैंकिंग सहित सभी सीएससी सेवाएं पंचायत स्तर पर ही उपलब्ध हो सकें।

मंत्री राजवाड़े सूरजपुर जिला पंचायत कार्यालय में आयोजित एक बैठक को संबोधित कर रही थीं। इस बैठक में जिले के सभी सरपंचों एवं सीएससी द्वारा अधिकृत वीएलई उपस्थित रहे। बैठक में चर्चा की गई कि अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाएं, बिजली बिल भुगतान, पेंशन व बीमा योजनाएं, आधार व अन्य शासकीय योजनाओं की सेवाएं सीधे पंचायत स्तर पर उपलब्ध होंगी।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि यह केंद्र ग्रामीणों की समय और संसाधन की बचत के साथ-साथ उन्हें डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने सरपंचों और वीएलई से अपील की कि वे पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक लोगों तक इन सेवाओं का लाभ पहुँचाएँ। बैठक में विधायक श्री भुलन सिंह मरावी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

ओपी चौधरी ने सरिया में बाढ़ आपदा राहत भवन और शेड निर्माण का किया भूमिपूजन

रायपुर। वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने बाढ़ आपदा, राहत और प्रबंधन के लिए महानदी में बाढ़ की स्थिति से निपटने और प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला ब्लॉक के ग्राम सुरसी बाढ़ आपदा राहत भवन और 2 शेड निर्माण का भूमिपूजन किया। इससे ग्रामीणजनों को प्राकृतिक आपदा के समय राहत और सहूलियत का मजबूत आधार मिलेगा।

बाढ़ प्रभावितों के ठहराव, सहायता वितरण व बचाव कार्य में मिलेगी सहायता – वित्त मंत्री चौधरी सरिया क्षेत्र में दौरे के दौरान बाढ़ प्रभावित गांवों की आवश्यकताओं को देखते हुए 30 लाख रुपए की लागत से बाढ़ आपदा राहत भवन, ग्राम सुरसी में 13 लाख रुपए की लागत से शेड निर्माण और ग्राम पंचधार में 10 लाख रुपए की लागत से शेड निर्माण का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि यह भवन और शेड सिर्फ इमारतें नहीं बल्कि आप सबके जीवन को सुरक्षित रखने का संकल्प है। सरकार हर आपदा में आपके साथ है और विकास की गंगा अब गांव-गांव तक बहेगी। महानदी किनारे बसे गांवों के इन क्षेत्रों में हर साल बाढ़ की समस्या से ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। राहत भवन और शेड निर्माण से आपदा प्रबंधन की स्थिति बेहतर होगी और प्रभावित परिवारों को तात्कालिक ठहराव, सहायता वितरण व बचाव कार्य में काफी सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्र में इस तरह की सुविधा की जरूरत महसूस हो रही थी, जिसे वित्त मंत्री ने पूरा कर दिया है। राहत भवन और शेड निर्माण से पूरे अंचल में खुशी और उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि अब वे बाढ़ जैसी आपदा के समय बेघर या असहाय महसूस नहीं करेंगे। यह पहल न केवल सरिया क्षेत्र बल्कि आसपास के गांवों के लिए भी राहत का संदेश लेकर आई है।

नवयुवक बाल समाज को धार्मिक झांकी श्रेणी में मिला दूसरा पुरस्कार

रायपुर। राजधानी में आयोजित झांकी विसर्जन समारोह के दौरान इस वर्ष भी अनूपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स की ओर से पुरस्कार वितरण किया गया। प्रतियोगिता में नवयुवक बाल समाज, बंजारी चौक, गोलबाजार को धार्मिक झांकी श्रेणी में दूसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ। समारोह में नवयुवक बाल समाज से विनीत वर्मा, प्रशांत गुप्ता, अंशुल वर्मा, वैभव वर्मा, दीपक सोनी, अनिल यादव, निशु, अंकुश वर्मा, अपूर्व वर्मा, शुभम साहू सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। विनीत वर्मा ने कहा कि उनकी समिति हर वर्ष विसर्जन झांकी में धार्मिक थीम प्रस्तुत करती है, ताकि आने वाली पीढ़ी पौराणिक इतिहास और संस्कृति से परिचित हो सके।

मानसून की विदाई से पहले जमकर बरसे बादल, कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विदाई की चौखट पर खड़ा मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मंगलवार देर रात राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में झमाझम बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और मौसम में ठंडक घुल गई। मौसम विभाग का कहना है कि मानसून लौटने के दौरान होने वाली बारिश से प्रदेश में ठंड की शुरुआत होगी। बुधवार सुबह भी राजधानी रायपुर में बारिश का दौर जारी रहा। मौसम विभाग ने आज यानी बुधवार को रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव, दुर्ग, बालोद, कोरिया, बलरामपुर-रामानुजगंज, सरगुजा, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बलौदाबाजार, जशपुर, सूरजपुर, दंतेवाड़ा और जगदलपुर में भारी बारिश की संभावना जताई है।

जनता को सतर्क रहने की अपील– मौसम विभाग ने बताया कि मानसून जाते-जाते प्रदेश में तांडव मचाएगा और कई हिस्सों में तेज बारिश की संभावना है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे बिना जरूरी काम के घर से बाहर न निकलें। साथ ही, बारिश और बिजली गिरने के दौरान खुले स्थानों पर खड़े रहने से बचने की सलाह दी है।

नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

नया मुख्यालय गांधी चौक, रायपुर फोन नं. 2500771

फैक्स 0771- 22273958- E-mail: rmczone1@gmail.com

-:: निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक/349/विद्युत/न.पा.नि/2025 दिनांक 24/09/2025

नगर पालिक निगम, रायपुर, विद्युत विभाग द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु संबंधित फर्म / एजेंसियों से निविदाएँ दो लिफाफा पद्धति में स्पीड पोस्ट के माध्यम से दिनांक 16/10/2025 को संध्या 4:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, प्राप्त सभी निविदाएँ उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के सम्मुख दिनांक 16/10/2025 को संध्या 05.00 बजे खोली जाएगी निर्धारित राशि जमा कर दिनांक 15/10/2025 तक नगर पालिक निगम, विद्युत विभाग मुख्यालय से कार्यालीन समय में प्राप्त की जा सकती है। कार्य का नाम नवीन मुख्यालय भवन में स्थापित 03 नग लिफ्ट का वार्षिक संधारण कार्य हेतु (वर्ष 2025-2026) बाबत। अनुमानित लागत राशि रु. 3,99,000.00 अमानती राशि रु. 3000.00। निविदा प्रपत्र-ब निर्धारित राशि रू. 750.00

कार्यपालन अभियंता (विद्युत)
नगर पालिक निगम, रायपुर

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

मुफ्त बिजली योजना से बदल रही जिंदगी,उपभोक्ता बन रहे ऊर्जा उत्पादक

बिजली का बिल हुआ अतीत, सूरज की रोशनी बनी आत्मनिर्भरता का जरिया

रायपुर। सूरज की किरणें अब केवल जीवनदायिनी शक्ति ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और आर्थिक मजबूती का नया स्रोत भी बन चुकी हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने आम उपभोक्ताओं को ऊर्जा उपभोक्ता से ऊर्जा उत्पादक बना दिया है। रायगढ़ समेत प्रदेश के सभी जिलों में यह योजना सैकड़ों परिवारों के जीवन को नई रोशनी दे रही है। अब तक जिले में 300 से अधिक घरों की छत पर सौर पैनल लगाए जा चुके हैं। इस योजना का लाभ उठाने वाले परिवारों के अनुभव ही इसकी असली सफलता की कहानी बयां कर रही हैं। लोहरसिंह गांव के ईश्वर प्रसाद नायक ने बताया कि 3 किलोवॉट का सोलर प्लांट लगाने के बाद अप्रैल में 267 यूनिट बिजली उत्पन्न हुई। उन्हें 577 रुपए की छूट मिली। मई में उनका पूरा उपभोग सौर ऊर्जा से पूरा हुआ और बिल शून्य हो गया। रायगढ़ के एक अन्य उपभोक्ता ने बताया गया कि इस योजना ने उन्हें आर्थिक राहत के साथ मानसिक शांति और आत्मनिर्भरता का अहसास भी कराया। उनके 3 किलोवॉट प्लांट से 507 यूनिट बिजली उत्पन्न हुई। उन्हें 4,178 रुपए की छूट मिली। वे अब अतिरिक्त बिजली ग्रिड में देकर हर महीने हजारों रुपये की बचत कर रहे हैं। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम उपभोक्ताओं को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का एक सशक्त माध्यम है। उपभोक्ता न केवल घरेलू जरूरतें पूरी कर सकते हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में बेचकर अतिरिक्त आमदनी भी अर्जित कर सकते हैं।

आकर्षक सब्सिडी और आसान प्रक्रिया विभागीय अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 1 किलोवाट प्लांट से प्रतिमाह लगभग 120 यूनिट बिजली उत्पादन होता है। इसमें केंद्र सरकार 30 हजार रुपए एवं राज्य सरकार 15 हजार रुपए सब्सिडी प्रदान करती है। 2 किलोवाट प्लांट से प्रतिमाह लगभग 240 यूनिट बिजली उत्पादन होता है। इसमें केंद्र सरकार 60 हजार रुपए एवं राज्य सरकार 30 हजार रुपए सब्सिडी देती है। 3 किलोवाट प्लांट से प्रतिमाह लगभग 360 यूनिट बिजली उत्पादन होता है। इसमें केंद्र सरकार 78 हजार रुपए एवं राज्य सरकार 30 हजार रुपए सब्सिडी देती है। शेष राशि उपभोक्ता स्वयं वहन करेंगे, जिसे बैंक ऋण सुविधा के माध्यम से भी प्राप्त किया जा सकता है। योजना का लाभ पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से दिया जा रहा है। उपभोक्ता टोल-फ्री नंबर 1912 पर कॉल कर आवेदन कर सकते हैं

संपादकीय

अतिक्रमण न अनूठी, न ही नई

सुप्रीम कोर्ट ने आखिर, अपने अंतरिम आदेश में पूरे वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। परंतु अदालत के समक्ष प्रस्तुत याचिकाओं में जिन प्रावधानों को लेकर आपत्तियां थीं, उन पर रोक जरूर लगा दी। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत द्वारा मई के अंत में यह फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। सरकार का मत है कि नया कानून वक्फ बोडरे में सुधार और पारदर्शिता निश्चित करने वाला है। परंतु इस संशोधन को असंवैधानिक बताने और मुसलमानों की संपत्ति हड़पने की मंशा रखने वाला बताने वालों ने सौ से ज्यादा लोगों ने याचिकाएं लगाई थीं। अदालत के अनुसार केंद्रीय वक्फ काउंसिल में चार से अधिक सदस्यों की संख्या नहीं हो सकती जबकि राज्य के बोर्ड में तीन सदस्य होंगे। जिलाधिकारी को घोषित वक्फ संपत्ति के सरकारी होने न होने के विषय में तय करने का अधिकार भी नहीं होगा। इस कानून का विरोध करने वालों को सबसे ज्यादा आपत्ति जिलाधिकारियों को दिए गए इसी अधिकार को लेकर थी जिसके अनुसार डीएम वक्फ के दावे वाली सरकारी जमीन के बारे में मसौदा सरकार को भेज सकता है, जिसे सरकार द्वारा स्वीकार करने के उपरांत राजस्व रिकॉर्ड में वह भूमि या संपत्ति सरकारी के तौर पर दर्ज की जा सकेगी। काउंसिल के दो गैर-मुसलमानों और महिला सदस्यों को लेने पर भी मुसलमानों को आपत्ति रही है। जैसा कि माना जाता है यह संपत्ति अल्लाह के नाम पर या धार्मिक/परोपकार के मकसद से दान की जाती है। धर्मस्थलों की आड़ में सरकारी या लंबे अरसे से खाली पड़ी जमीनों पर अतिक्रमण की घटनाएं देश में न अनूठी हैं, न ही नई। इस सरकार का वक्फ या मस्जिदों को निशाने पर रखने का मकसद किसी से छिपा नहीं है। वक्फ की संपत्ति की खरीद-फरोख्त नहीं होती, न ही इसका हस्तांतरण होता है। देश भर में वक्फ बोर्ड के पास तकरीबन पौने नौ लाख संपत्तियां बताई जाती हैं जिनकी कीमत एक लाख करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। यह सरकारी लापरवाही और वोटों के लोभ में समुदाय विशेष को दिए गए संरक्षण का ही नतीजा है जो सरकारी संपत्तियों या भूमि पर अवैध कब्जा होता रहता है। सरकार को भी इसकी कीमत चुकानी होगी। विशेष धर्म के आधार पर कोई कानून बनाने की बजाय निष्पक्ष कानून बनाए जिसकी जद में हर धर्म आता हो। कहना होगा कि अतिक्रमणों को मुक्त कराने के प्रति राज्य सरकारों को मुस्तैद होना ही चाहिए।

महिलाएं: भारत की मौन शक्ति, जो हमें भविष्य की ओर ले जा रही हैं

डॉ. किरण मजूमदार-शॉ

जब हम अपने प्रधानमंत्री के जीवन के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो हमें उनकी यह प्रतिज्ञा याद आती है कि महिलाओं की पूरी भागीदारी के बिना भारत एक विकसित राष्ट्र नहीं बन सकता। उनका स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान एक गहरी सच्चाई को दर्शाता है:अगर मां स्वस्थ रहती है तो पूरा घर स्वस्थ रहता है। अगर मां बीमार पड़ जाती है, तो पूरा परिवार बिखर जाता है।यह मानना कि महिलाओं का स्वास्थ्य ही हमारे राष्ट्रीय प्रगति की नींव है, भारत की विकास यात्रा का मुख्य आधार है।

भारत की विकास गाथा के केंद्र में महिलाएं- महिलाएं सिर्फ इस यात्रा की भागीदार नहीं हैं, बल्कि इसकी असली संवाहक हैं। प्रयोगशालाओं, अस्पतालों, खेतों और बायोटेक स्टार्ट-अप्स में उनके मौन लेकिन प्रभावशाली कार्य हमारे भविष्य को गढ़ रहे हैं। उन 10 लाख आशा कार्यकर्ताओं के बारे में सोचें, जो भारत की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की रीढ़ हैं, जो अक्सर प्रकोप के दौरान सबसे पहले मदद पहुंचाती हैं या फिर आईसीएमआर, एनआईवी और एम्स की महिला वैज्ञानिकों पर विचार करें, जिन्होंने 2020 में सार्स - सीओवी-2 वायरस को अलग करने में मदद की और भारत के स्वदेशी टीकों का मार्ग प्रशस्त किया, जिसके कारण दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान में 2 अरब से अधिक टीकाकरण किए गए। भारत की 62.9 प्रतिशत महिला कार्यकर्ता कृषि में हैं, और अब इनमें से कई को सूखा-रोधी व फसल सुरक्षा जैसे बायोटेक समाधान अपनाने का प्रशिक्षण दिया गया है।2 बायोटेक उद्यमिता में भी महिलाएं सस्ते डायग्नोस्टिक, जीनोमिक्स और वैक्सीन नवाचार जैसे क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स की अगुवाई कर रही हैं। ये कोई अकेली कहानियां नहीं हैं, ये भारत की नारी शक्ति का जीता जागता सबूत हैं।

नीतिगत और संस्थागत समर्थन- महिलाओं की क्षमता को उभारने में सरकारी पहल निर्णायक रही हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ से लेकर मिशन शक्ति तक, संसद में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने वाला ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम हो, या प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया और जन धन योजना के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण- महिला-प्रधान विकास की मजबूत रूपरेखा तैयार हो चुकी है। 54 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले गए हैं, जिनमें लगभग 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं। वित्तीय समावेशन का ऐसा स्तर दुनिया भर में शायद ही कभी देखा गया हो। मुद्रा योजना के तहत 43 करोड़ ऋणों में से लगभग 70 प्रतिशत ऋण महिला उद्यमियों को दिए गए हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम जल्द ही यह सुनिश्चित करेगा कि संसद की एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हों। जिससे नीति निर्माण में उनकी आवाज़ सुनिश्चित होगी।

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार: वैश्विक संदर्भ में भारत- विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीय महिलाएं सचमुच सितारों तक पहुंच रही हैं। इसरो में महिलाओं ने चंद्रयान-2 और मंगलयान जैसी मिशनों में निदेशक की भूमिका निभाई, जिससे भारत की अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभरती छवि सामने आई। महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत, एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी के मामले में दुनिया में अग्रणी है: भारत में 43 प्रतिशत एसटीईएम स्नातक महिलाएं हैं, जबकि अमेरिका में 34 प्रतिशत, यूरोपीय संघ में 32 प्रतिशत और ओईसीडी देशों में औसतन 33 प्रतिशत फिर भी, वैज्ञानिक संस्थानों में केवल 19 प्रतिशत वैज्ञानिक, इंजीनियर और टेक्नोलॉजिस्ट ही सीधे अनुसंधान और विकास से जुड़े हैं।

आखिर कौन कर रहा है सांप्रदायिक तनाव भड़काने की साजिश ?

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश के कानपुर में बारावफात जुलूस के दौरान लगे, आई लव मोहम्मद बोर्ड से शुरू हुआ विवाद अब देशभर में फैल रहा है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव, बरेली, लखनऊ, महराजगंज, जालौन से लेकर कैसरगंज समेत कई शहरों में मुस्लिम समाज अत्यंत उग्रता के साथ जुलूस निकाल रहा है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बहुत ही सघन मुस्लिम बहुल इलाके में भी आई लव मोहम्मद लिखा बैनर टांगा गया है जिसके कारण स्थानीय स्तर पर तनाव अनुभव किया गया। इन जुलूसों में कई जगह पुलिस से टकराव और पथराव भी हो रहा है। मुस्लिम समाज के लोग व मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति में संलिप्त रहने वाले लोग इसे मुस्लिम समाज का जेन-जी आंदोलन कहकर आग में घी डालने का कुत्सित प्रयास करते नजर आ रहे हैं जो तनाव को और बढ़ा रहा है। सोची समझी रणनीति के अंतर्गत इस आंदोलन में नाबालिग बच्चों को आगजनी और पुलिस पर पथराव करने के लिए आगे किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश से शुरू हुयी ये अराजकता अब उत्तराखंड के काशीपुर और तेलंगना के हैदराबाद समेत देश के कई शहरों में पहुँच गई है। आइ लव मोहम्मद के समर्थन में उत्तराखंड में पुलिस बल पर सीधा पथराव तथा हमला किया गया, हमले में जिसमें महिला पुलिस कर्मी भी अभद्रता और मार पीट का शिकार हुयीं। पुलिस की गाड़ियाँ तोड़ दी गयीं। यही हाल गुजरात के गोधरा शहर में भी हुआ और महाराष्ट्र के नागपुर में भी। इन प्रदर्शनों के दौरान सिर तन से जुदाऋ आरै लब्बैक-लब्बैक जैसे बेहद आक्रामक और आपत्तिजनक नारे लगाए जा रहे हैं।

इस पूरे विवाद की पटकथा उत्तर प्रदेश के कानपुर से शुरू हुई। कानपुर के रावतपुर में बारावफात जुलूस निकाला जा रहा था। जिस मार्ग पर जुलूस निकाला जा रहा था उसी रास्ते पर एक जगह ''आई लव मोहम्मद'' का साइन बोर्ड लगा दिया गया। इसको लेकर हिंदू पक्ष ने विरोध किया और आरोप लगाया कि यहां नई परंपरा शुरू की जा रही है। दोनों पक्षों में तनाव बढ़ता देखकर पुलिस ने हस्तक्षेप किया और किसी प्रकार से मामला यह कहकर शांत करवाया कि नियम है कि जुलूस में किसी तरह की नई परंपरा नहीं डाली जाएगी। किन्तु बारावफात के जुलूस के दौरान कुछ लोगों ने नई परंपरा डालते हुए परंपरा वाली जगह पर ही टेंट और साइन बोर्ड फिर से लगवा दिया।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि, आई लव मोहम्मद को लेकर कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। इस बीच संभवत: पूर्व नियोजित साजिश के अनुसार कानपुर में मुस्लिम पक्ष ने हिंदू पक्ष पर आरोप लगाया कि उसने साइन बोर्ड को फाड़ दिया था। वहीं हिंदू पक्ष ने इसका खंडन करते हुए कहा कि मुस्लिम पक्ष के जुलूस में शामिल लोगों ने हिन्दुओं के धार्मिक पोस्टर फाड़े। पुलिस के बीच-बचाव के बाद ऐसा लगा कि अब मामला शांत हो गया है। बाद में कानपुर पुलिस ने बारावफात के जुलूस के दौरान आई लव मोहम्मद नाम का एक नया बोर्ड बनाकर नई परंपरा शुरू करने और सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने के लिए मुकदमा दर्ज किया।

इस बीच पहले से तैयार बैठे एआईएमआईएम नेता और सांसद असदुददीन ओवैसी ने सोशल मीडिया एक्स पर कानपुर पुलिस को टैग करते हुए एक पोस्ट लिखा कि, ''आई लव मोहमद'' कहना जुर्म नही है अगर है तो इसकी हर सजा मंजूर हैं। ओवैसी ने जिस पोस्ट को लेकर कोट किया था उसमें दावा किया गया था कि मुस्लिम पक्ष की ओर से कथित तौर पर नई परंपरा शुरू करने को लेकर पुलिस ने मुकदमा कर दिया है। इस बात की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है कि ओवैसी की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाहों का बाजार गर्म होता गया और अब यह आग देश के अनेकानेक हिस्सों में फैलती जा रही है।

तमाम कट्टरपंथी और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले तत्व इस आग में घी डालने का प्रयास कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो और कमेंट पोस्ट करके तनाव बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। यह सब कुछ उस समय हो रहा है जब हिन्दू पर्वो की नवरात्र से देवदीपावली तक एक लंबी श्रृंखला चलने वाली है।

इन सभी घटनाओं का पैटर्न लगभग एक ही जैसा नजर आ रहा है। बरेली के जखीरा मुहल्ले में आई लव मोहम्मद लिखे कई पोस्टर लगे थे। इंस्पेक्टर सुभाष कुमार ने बताया कि भीड़ होने की सूचना पर, वे पहुंचे तो पाया कि वहां इत्तेहाद-ए- मिल्लत काउंसिल के महासचिव डा. नफीस खान भी थे। पुलिस के पहुंचने पर नफीस खान ने वहां पर उपस्थित लोगों को घर जाने के लिए कह दिया किंतु बाद में इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ उसमें डा़ नफीस कुछ लोगों से कहते सुनाई दे रहे हैं कि मैंने इंस्पेक्टर को बहुत अपशब्द कहे। मैंने कहा कि, हाथ काट लूंगा, वर्दी उतरवा दूंगा। जांच मे पता चला है कि पुलिस के मोहल्ले से लौटने के बाद नफीस ने भीड़ को भड़काने का प्रयास किया। नफीस बरेली में मौलाना तौकीर रजा खां की पार्टी आईएमसी के महासचिव हैं।

सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि इन जुलूसों में 10 साल से कम आयु के लड़कों तथा औरतों द्वार उग्र प्रदर्शन कराया जा रहा है। उन्नाव में हिंसक उपद्रव का नेतृत्व महिलाओ व बच्चो ने किया। बुर्कानशीं महिलाओं ने ही पुलिस बल पर पत्थर बरसाये ओर नाबालिगों ने सर तन से जुदा के नारे लगाकर माहौल खराब किया। कठिनाई यह है कि हमारे देश के संविधान में नाबालिगों को केवल सुधार गृह भेज दिया जाता है और महिलाओं की प्राय: जल्दी गिरफ्तारी नही होती। वहीं दूसरी ओर तथाकथित संविधान रक्षक मुस्लिम तुष्टिकरण का खेल प्रारंभ कर देते हे। इन सभी उपद्रवियों को पता है कि उन्हें सभी छद्म धर्मनिरपेक्ष दलों का खुला समर्थन प्राप्त है। नाबालिगों को सोच समझ कर केवल इसलिए शामिल किया जा रहा है क्योंकि वह आसानी से छूट जाएंगे और सजा भी बहुत कम होगी।

भारत में सार्वजनिक जगहों पर बिना अनुमति पोस्टर बैनर लगाना गैरकानूनी है किंतु सभी लोग इसका उल्लंघन करते हैं। पुलिस का कहना है कि यह आंदोलन गुमराह करने वाला है। मुस्लिम तुष्टिकरण में संलिप्त नेता इस आंदोलन को अल्पसंख्यकों के दमन से उपजा आक्रोष बता रहे हैं और भाजपा व हिंदू संगठनों को दोष दे रहे हैं। एक पार्टी के प्रवक्ता तो तुष्टिकरण में इतने आगे बढ़ गए कि आंदोलन सम्बन्धी एफआईआर को ही संविधान विरोधी कृत्य बताने लगे। विगत दिनों बहराइच में एआईएमआईएम के नेता द्वारा स्थानीय महाराजा सुहेलदेव राजभर का अपमान करने के कारण भी तनाव उत्पन्न हो गया था।

इस प्रकार के तनाव उत्पन्न करने का प्रयास उस समय किया जा रहा है जब योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में देश का ग्रोथ इंजन बनने की ओर अग्रसर है। योगी जी को अच्छी तरह से पता है कि उपद्रवियों व दंगाइयो से किस प्रकार निपटा जाता है। उत्तर प्रदेश की जनता को सरकार व योगी जी की रणनीति पर पर पूरा भरोसा है। यहां की पुलिस सतर्क भी है और कड़क भी। उत्तर प्रदेश प्रशासन इस आंदोलन की जड़ तक जाएगा और षड्यंत्रकारियों को ढूंढ निकालेगा।

नरेन्द्र मोदी: राजनीतिक अभिजात वर्ग को चुनौती देने वाले जननायक

शिवराज सिंह चौहान

भारतीय राजनीति में नरेन्द्र मोदी के उदय को विशेषाधिकार के पारंपरिक लेंस से नहीं समझा जा सकता। राजनीतिक वंशों में पले-बढ़े अनेक नेताओं के विपरीत, मोदी और उनकी नेतृत्व शैली ज़मीन से उभरी है, जिसने उनके संघर्ष, वर्षों से ज़मीनी स्तर पर किए गए कार्यों और सरकार के विभिन्न स्तरों पर प्राप्त व्यवहारिक अनुभवों से आकार लिया है। उनका करियर मात्र एक व्यक्ति के उत्थान को ही प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि यह भारत में अभिजात वर्ग द्वारा संचालित राजनीति की नींव के लिए एक चुनौती भी है। वडनगर के एक साधारण परिवार में जन्मे मोदी का बचपन ज़िम्मेदारी और सादगी से भरपूर रहा। बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए चैरिटी स्टॉल लगाने से लेकर स्कूली छात्र के रूप में जातिगत भेदभाव पर आधारित नाटक लिखने तक, उन्होंने अल्पायु में ही संगठनात्मक कौशल और सामाजिक सरोकार का अद्भुत मिश्रण प्रदर्शित किया। उन्होंने वंचित सहपाठियों के लिए पुरानी किताबें और वर्दियाँ इकट्ठा करने के अभियान भी चलाए, जो इस बात का प्रारंभिक संकेत था कि वह नेतृत्व को किसी विशेषाधिकार के रूप में नहीं, बल्कि सेवा के रूप में देखते हैं। इन छोटे-छोटे प्रयासों ने उनके द्वारा सार्वजनिक जीवन में अपनाए जाने वाले दृष्टिकोण का पूर्वाभास करा दिया। उनकी मूलभूत प्रवृत्तियाँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में और भी प्रखर हुईं, जहाँ साधारण कार्यकर्ताओं को ग्रामीणों से घुलने-मिलने, उनके जैसा जीवन व्यतीत करने और अपने आचरण के जरिए उनका विश्वास अर्जित करने का प्रशिक्षण दिया जाता था। एक युवा प्रचारक के तौर पर मोदी ने बिल्कुल वैसा ही किया। अक्सर बस या स्कूटर से गुजरात भर में यात्रा करते हुए, और भोजन व आश्रय के लिए ग्रामीणों पर निर्भर रहते हुए, उन्होंने साझा कठिनाइयों और संघर्षों के माध्यम से सभी वर्गों का विश्वास अर्जित किया। इस अनुशासन ने उन्हें उन लोगों के रोज़मर्रा के सरोकारों से जुड़े रहने में मदद की, जिनकी वे सेवा करना चाहते थे, और इसी ने उन्हें संकटकाल में संगठित, बड़े पैमाने पर कदम उठाने की आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने के लिए भी तैयार किया। ऐसा ही एक संकट 1979 में मच्छू बांध के टूटने से आया था, जिसमें हज़ारों लोग मारे गए थे। 29 वर्षीय मोदी ने तुरंत स्वयंसेवकों को पालियों में संगठित किया, राहत सामग्री का प्रबंध किया, शवों को निकाला और परिवारों को सांत्वना दी। कुछ साल बाद, गुजरात में सूखे के दौरान, उन्होंने सुखड़ी अभियान का नेतृत्व किया, जो पूरे राज्य में फैल गया और लगभग 25 करोड़ रुपये मूल्य का भोजन वितरित किया गया। दोनों ही आपदाओं में, उन्होंने बिल्कुल आरंभ से ही बड़े पैमाने पर राहत प्रयास शुरू किए, जिससे उनके उद्देश्य की स्पष्टता, उनके सैन्य-शैली के संगठन और उनका इस आग्रह का परिचय मिला कि नेतृत्व का अर्थ केवल प्रतीकात्मकता नहीं, बल्कि सेवा है। इन शुरुआती घटनाओं ने जहाँ एक ओर लोगों को संगठित करने की उनकी क्षमता को परखा, वहीं आपातकाल ने दमन के दौर में उनके साहस की परीक्षा ली। मात्र 25 वर्ष की आयु में, एक सिख के वेश में, उन्होंने पुलिस निगरानी से बचने की कोशिश कर रहे कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच संवाद कायम रखा। इस ज़मीनी नेटवर्क ने क्रूर शासन के विरुद्ध प्रतिरोध को जीवित रखा, जिससे उन्हें एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में ख्याति मिली। इन्हीं कौशलों का उपयोग जल्द ही चुनावी राजनीति में भी किया गया। भाजपा - गुजरात के संगठन मंत्री के रूप में, उन्होंने पार्टी का विस्तार नए समुदायों तक किया, जिनमें राजनीतिक विमर्श में हाशिए पर पड़े लोग भी शामिल थे। उन्होंने विविध पृष्ठभूमियों के नेताओं को तैयार किया, ज़मीनी स्तर पर समर्थन जुटाया और पूरे गुजरात में लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ-अयोध्या रथ यात्रा जैसे बड़े आयोजनों की योजना बनाने में मदद की।

जातिवाद पर प्रतिबंध योगी सरकार का ऐतिहासिक कदम

ललित गर्ग

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक ऐतिहासिक और साहसिक कदम उठाया है। उन्होंने समाज में जाति आधारित विद्वेष को ही नहीं बल्कि विभेद को भी समाप्त करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए सद्भाव के साथ सबके विकास को बल देने का सूझबूझभरा फैसला लिया है। इस फैसले के अन्तर्गत उन्होंने जाति-आधारित रैलियों, सार्वजनिक प्रदर्शनों और पुलिस रिकॉर्ड में जाति संबंधी उल्लेखों पर रोक लगा दी है। यह निर्णय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के बाद लिया गया, लेकिन इसका वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक है। यह केवल एक प्रशासनिक पहल नहीं बल्कि समाज को जातिगत बंधनों से मुक्त करने की दिशा में क्रांतिकारी प्रयास है। राजनीतिक दलों ने जाति आधारित वोटों को लुभाने एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने के लिये समाज को बांटा है। यह गौर करने की बात है कि जाति आधारित संगठनों और रैलियों की बाढ़ आ गई है, जिससे एक-एक जाति के अनेक संगठन बने और इन जातिगत संगठनों ने सड़कों पर उतर कर न केवल सार्वजनिक व्यवस्था, इंसान-इंसान के बीच दूरियां-विद्वेष बढ़ा दिया बल्कि राष्ट्रीय एकता को भी क्षत-विक्षत कर दिया।

भारतीय समाज में जातिवाद की जड़ें गहरी हैं। जाति व्यवस्था ने कभी सामाजिक पहचान और श्रम विभाजन का आधार बनकर काम किया, लेकिन समय के साथ यह भेदभाव, असमानता और सामाजिक विद्वेष का कारण बन गई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था- जातिवाद समाज की आत्मा को खोखला करता है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने तो इसे भारतीय प्रगति की सबसे बड़ी बाधा बताया था। दुर्भाग्य से आज़ादी के बाद भी जातिवाद ने राजनीति और समाज दोनों में गहरी पैठ बनाई और देश की एकता को कमजोर करने का काम किया। जाति-आधारित राजनीति ने सत्ता के समीकरण तो बदले लेकिन समाज को बांटने का काम किया। चुनाव के समय उम्मीदवारों का चयन जातिगत समीकरणों के आधार पर होता रहा। समाज के बंटवारे का यह खेल लोकतंत्र के स्वस्थ आदर्शों के लिए चुनौती बना। जातिगत रैलियां और प्रदर्शन सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करते रहे। पुलिस रिकॉर्ड में जाति का उल्लेख अपराधी को अपराधी नहीं बल्कि किसी जाति का प्रतिनिधि बना देता था, जिससे कानून-व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ता था। इन जटिल स्थितियों में योगी सरकार का यह निर्णय विषमताओं एवं विसंगतियों को समाप्त करने की दिशा में एक नया अध्याय है। यदि इसे सख्ती और ईमानदारी से लागू किया गया तो निश्चित ही समाज में सौहार्द, भाईचारा और समानता का वातावरण बनेगा। जाति-आधारित पहचान की जगह व्यक्ति की योग्यता, आचरण और योगदान को महत्व मिलेगा।

किसी जाति के प्रति लगाव दर्शाने के लिए किसी अन्य जाति को नीचा दिखाने की भी गलत परंपरा पड़ती दिख रही है। जाति आधारित पोस्टर या प्रतीक न केवल गलियों में, मकानों पर बल्कि अपने वाहनों पर भी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में, परस्पर भेद, ऊंच-नीच की भावना बढ़ती जा रही है। ऐसे भेद को मिटाने की मांग उठती रही है। समाज के लिए चिंतित रहने वाले लोग यही चाहते हैं कि जातिगत झंडों और पोस्टरों पर एक हद तक लगाम लगनी चाहिए, लेकिन ऐसा साहस राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब तक किसी भी राजनेता ने नहीं दिखाया, लेकिन योगी सरकार ने यह साहस दिखाया है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। योगी सरकार द्वारा जारी 10 सूत्रीय दिशा-निर्देश में यह बात विशेष रूप से गौर करने लायक है कि अब जाति के नाम, नारे या स्टिकर वाले वाहनों का केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत चालान किया जाएगा। यहां तक कि प्रथम सूचना रिपोर्ट में भी जाति को दर्शाने से बचा जाएगा। अभी तक होता यह है कि अपराधी जाति के आधार पर अपनी पहचान बना लेते हैं और मजबूत हो जाते हैं। यह बहुत अफसोस की बात है कि विशेष रूप से चुनाव के समय जाति आधारित बैनरों की बाढ़ आ जाती है। राजनीतिक दल एवं नेता जातिगत समीकरणों से समाज को बांटने में जुट जाते हैं। लेकिन अब यूपी सरकार की मंशा सराहनीय है और इन दिशा-निर्देशों को पूरी तरह से लागू करने की जरूरत है। वाकई समाज से अपराध को मिटाने के लिए अपराधी की जाति देखना गैर-वाजिब है। हां, यह सावधानीपूर्वक कुछ मामलों में जाति का उल्लेख करने की छूट दी गई है। जैसे, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामलों में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल होता रहेगा। वाकई, कुछ मामले ऐसे होते हैं, जहां जाति की चिंता या उल्लेख जरूरी हो जाता है। यह भूलना नहीं चाहिए कि जाति आधारित भेदभाव अभी भी कई जगहों पर देखने को मिल जाता है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर भेदभाव की शिकायतें अक्सर आती हैं, ऐसे में, प्रशासन को ज्यादा सजग रहना पड़ेगा। निर्देश जारी हो जाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि जातिगत भेदभाव के बिंदुओं को खोज-खोजकर मिटाने की ईमानदार पहल भी जरूरी है। सामाजिक चिंतक विनोबा भावे कहा करते थे जाति का भेद मिटेगा तो समाज में भाईचारा और सहयोग की भावना पनपेगी। वास्तव में जातिवाद केवल सामाजिक समस्या नहीं बल्कि मानसिकता का रोग है। जब तक समाज इसे स्वीकार करता रहेगा, तब तक सच्चा विकास संभव नहीं।

योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में एक आदर्श समाज व्यवस्था निर्मित करने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देते हैं। उन्होंने जातिवाद के विरुद्ध आवाज ही नहीं उठाई, अपने राजनीतिक जीवन के अनेक उदाहरणों से समाज को सक्रिय प्रशिक्षण भी दिया। वे समता के पोषक हैं, इसलिये उन्होंने पूरी शक्ति के साथ जाति के दंश, प्रथा एवं विसंगति पर प्रहार कर मानवीय एकता का स्वर प्रखर किया। उनके शासन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता दी, जिससे राज्य में अपराध और अराजकता पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया। सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास की नीति पर चलते हुए उन्होंने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं लागू कीं। बुनियादी ढांचे के विकास, धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार, निवेश को आकर्षित करने और रोजगार सृजन में भी उनके प्रयास उल्लेखनीय हैं। उनकी सकारात्मक सोच का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश आज तेजी से विकासशील राज्यों में गिना जाने लगा है और जातिवाद, भ्रष्टाचार और असुरक्षा की छवि से बाहर निकलकर एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उनकी ताजा पहल समाज को बताती है कि नई पीढ़ी को जाति नहीं, योग्यता और नैतिकता के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए। यह निर्णय राजनीतिक दलों के लिए भी चेतावनी है कि उन्हें जातिगत समीकरणों की राजनीति छोड़कर राष्ट्रहित और जनहित की राजनीति करनी होगी। जाति, रंग, भाषा आदि के मद से सामाजिक एवं राजनीतिक विक्षोभ पैदा होता है, इसीलिये यह पाप की परम्परा को बढ़ाने वाला पाप है। इसके कारण राष्ट्रीयता को भूल कर जातिगत संकीर्णताओं को लोग आगे बढ़ाते रहे हैं, एक जाति के लोग मजबूत होने के बाद वे अपनी जाति को लाभ पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं। यह धारणा भी बढती रही है कि सबको अपनी जाति की चिंता करनी चाहिए। यह भ्रांति भी फैल रही है कि अपनी जाति के लोग या अधिकारी या नेता ही अपनी जाति के समुदाय या लोगों की मुसीबत में साथ खड़े होते हैं। ऐसी तमाम सामाजिक व प्रशासनिक खामियों एवं विडम्बनाओं से उबरने की जरूरत योगी सरकार ने महसूस की है। अन्यायी के खिलाफबिना जाति देखे खड़ा होना चाहिए। संविधान की भी मंशा यही है कि हर नागरिक को अपने समाज की ताकत बनकर आगे बढ़ना चाहिए और ध्यान रहे, यह समाज मात्र एक जाति आधारित न रहे। हर जाति महत्वपूर्ण है और सबका विकास हो, पर जाति आधारित लगाव या राजनीति का दिखावा खत्म होना चाहिए। योगी आदित्यनाथ सरकार का यह कदम भारतीय समाज को जातिवाद की जंजीरों से मुक्त कराने का बड़ा अवसर है। यह केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बन सकता है। अब आवश्यकता है कि अन्य राज्य भी इसे अपनाएं और भारत को सच्चे अर्थों में समानता, न्याय और बंधुत्व की धरती बनाएं।

वास्तु शास्त्र में भगवान की फोटो लगाने से जुड़े नियम

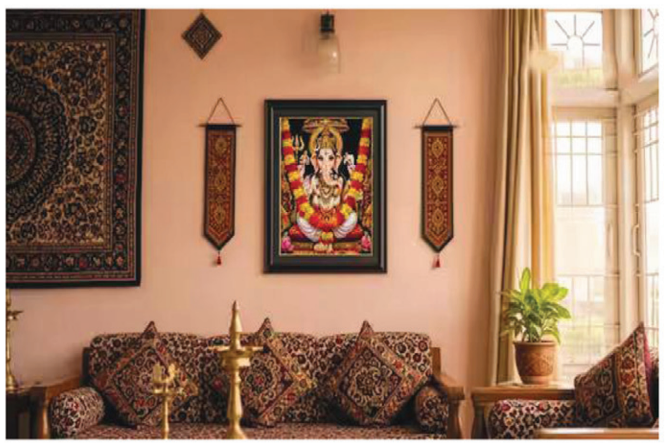

अगर आपके घर में मंदिर है या आप दीवार पर भगवान की मूर्ति या तस्वीर लगाने की योजना बना रहे हैं, तो यह जानकारी आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, भगवान की तस्वीरें सिर्फ श्रद्धा का प्रतीक नहीं होतीं, बल्कि उनका सही स्थान, दिशा और स्थिति आपके जीवन में सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा का कारण बन सकती है। कई लोग बिना दिशा-निर्देश के कहीं भी तस्वीरें लगा देते हैं, जिससे सुख-शांति की जगह क्लेश और दुर्भाग्य आने लगता है। भगवान की तस्वीर लगाने के वास्तु नियम-

पूर्व दिशा है सबसे शुभ

घर में पूजा स्थल या भगवान की फोटो लगाने के लिए पूर्व दिशा सर्वोत्तम मानी गई है। यह दिशा सूर्य की सकारात्मक ऊर्जा से भरी होती है। उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) भी एक आदर्श विकल्प है।

डूबते सूर्य की तस्वीर न लगाएं

सजावट के उद्देश्य से लोग सूर्य की तस्वीर लगाते हैं, लेकिन डूबते हुए सूर्य की छवि लगाने से नकारात्मकता बढ़ती है। उगते सूर्य की तस्वीर लगाना शुभ होता है।

बेडरूम और किचन में न लगाएं तस्वीरें

वास्तु के अनुसार शयनकक्ष और रसोईघर पूजा या भगवान की छवि लगाने के लिए उपयुक्त स्थान नहीं हैं।

आंखों के स्तर पर लगाएं तस्वीर

भगवान की फोटो हमेशा ऐसी ऊंचाई पर लगाएं जो आपकी आंखों के सामने हो। बहुत ऊंची या नीचे लगाई तस्वीर श्रद्धा और मन के जुड़ाव में बाधा बन सकती है।

दो देवताओं की पीठ एक-दूसरे से न लगाएं

अलग-अलग भगवानों की तस्वीरें एक ही दीवार पर लगाते समय ध्यान रखें कि किसी भी दो देवताओं की पीठ आपस में न जुड़ी हो, यह वास्तु दोष उत्पन्न कर सकता है।

उग्र मुद्रा में भगवान की तस्वीरें न लगाएं

घर की दीवारों पर क्रोधित या उग्र रूप में देवी-देवताओं की तस्वीरें जैसे महाकाली, उग्र शिव या नृसिंह न लगाएं। ये चित्र केवल विशेष पूजा स्थलों के लिए उपयुक्त होते हैं।

उगते सूर्य की तस्वीर लगाना शुभ

सजावट के उद्देश्य से लोग सूर्य की तस्वीर लगाते हैं, लेकिन डूबते हुए सूर्य की छवि लगाने से नकारात्मकता बढ़ती है। उगते सूर्य की तस्वीर लगाना शुभ होता है।

टूटी या फीकी तस्वीरें तुरंत हटा दें

अगर कोई मूर्ति या फोटो टूट गई हो या उसका रंग उड़ गया हो, तो उसे तुरंत पूजा स्थान से हटा दें। टूटी चीजें नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं।

साफ-सुथरा और सुंदर फ्रेम जरूरी

भगवान की फोटो या मूर्ति को स्वच्छ फ्रेम में रखें और नियमित रूप से साफ करें। साथ ही, पूजा स्थल पर दीपक या अगरबत्ती जलाना भी शुभ माना गया है।

बच्चों को कैसे कंप्यूटर सिखाएं ?

आप बच्चे को खेल के साथ कंप्यूटर के टच में रखें। आप के घर बच्चा है और जो अभी प्ले स्कूल या वो स्कूल जाने नहीं लगा है। तो आप सब से पहले तो उसको खेलकूद की और ध्यान लगाने के लिए वैसे ही खिलोने लाये और कंप्यूटर सिखाने के लिए आप को लैपटॉप की बजाय डेस्कटॉप लाना चाहिए। डेस्कटॉप इस लिए क्योंकि लैपटॉप को बच्चे गिरा सकते हैं। डेस्कटॉप का सेटप थोड़ा अलग होता है, तो बच्चे को गिराने में नहीं बनता है।

- आप को बच्चे को शुरू शुरू में दिन में 5 मिनट से 10 मिनट साथ में बैठ कर उसको जो मन आये कंप्यूटर में करने दें। साथ में जो सवाल वो पूछे उसके जवाब बड़ी ही नम्रता से दें। ऐसा करने से बच्चे का मन अच्छा होगा और उसका मन और जानने का करेगा।
- बच्चों को कलर बहुत पसंद होते है। आप शुरू में बच्चों को MS Paint की हेल्प से कंप्यूटर में रूचि बढ़ा सकते हैं।
- बच्चों को कंप्यूटर कार्टून के छोटे छोटे वीडियो के माध्यम से कंप्यूटर से दोस्ती करना सीखा सकते हैं।
- आप को भी पता है छोटा बच्चा दिन में सेकड़ों सवाल करता है। अगर आप का बच्चा कंप्यूटर के बारे में आप से सवाल करने लग जाये,तो आप को एक दम सही जवाब देना। आप को उसके सवाल को टालना नहीं, क्यों की आप लगातार उसके सवाल टालते जाओगे उसकी कंप्यूटर में रूचि कम हो सकती है।
- जब बच्चे को कंप्यूटर से दोस्ती हो जाये,तो धीरे-धीरे आप को कंप्यूटर की बेसिक जानकारी से एडवांस में जानकारी देनी शुरू करनी चाहिए।

बच्चों को कंप्यूटर सिखाना कहां से शुरू करें

आजकल के बच्चे 3 साल की उम्र में मोबाइल चलाना सीख लेते है। हमने देखा छोटे बच्चे अपने से बड़ों को देख कर वही शिखते हैं और छोटे बच्चे हर चीज़ को बहुत जल्दी कैच करते हैं। इसलिए आप को अपने बच्चे को कंप्यूटर सिखाते समय पहले कंप्यूटर बंद और चालू करना सिखाना चाहिए और उसके बाद आप को धीरे धीरे पेंटिंग और फोटो शॉप पर शिफ्ट करें। आप को लगने लगे बच्चा कंप्यूटर पर काम करने लगा, तो धीरे धीरे पावर पॉइंट और अन्य कंप्यूटर प्रोग्राम सिखाना चाहिए। आज के इस कंप्यूटर के युग में जिस बच्चे को जीतनी कंप्यूटर की जानकारी होगी वो उतना ही successfull होता है। बिना कंप्यूटर की जानकारी बच्चे के जीवन को बहुत प्रभावित करती है। आज के टाइम टेक्नोलॉजी जीवन का बहुत बड़ा योगदान है। कंप्यूटर के बिना किसी भी प्रकार की टेक्नोलॉजी का उपयोग करना मुश्किल है। इसलिए अपने बच्चों को स्कूल के टाइम से कंप्यूटर से दोस्ती करा देनी चाहिए जो आगे उसके दिमाग और जीवन को आसान बना देती है।

सही फैसला लेने में हमेशा होती है उलझन?

तो अपनाएं ये उपाय

हम रोजाना की लाइफ में कई फैसले लेते हैं। वहीं कुछ निर्णय ऐसे होते हैं जिसमें हम थोड़ा बहुत सोचते हैं। अधिकतर लोग इस तरह के फैसले लेने में कंफ्यूज होते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो आपको इन 4 तरीकों को अपनाएं। ऐसा करके आप आसानी से परफेक्ट फैसला ले सकेंगे।**

बहुत ज्यादा न सोचें

वैसे तो हर एक फैसला सोच-विचार के साथ ही लेना चाहिए क्योंकि जब भी कोई फैसला लिया जाता है तो फायदे, नुकसान, परिणाम और सभी विकल्पों पर विचार किया जाता है,लेकिन ज्यादा सोचने से आप निर्णय लेने में सक्षम नहीं हो पाते हैं। बहुत ज्यादा सोचने से आप ऐसा निर्णय ले सकते हैं जो आप नहीं लेना चाहेंगे। आप जितना ज्यादा सोचेंगे आपको निर्णय लेने में कंफ्यूजन हो सकता है। इसलिए बहुत अधिक सोचने से बचें।

अपने निर्णय के विपरीत की सोचें

आपको जो अंतिम निर्णय लगता है उस पर आगे बढ़ने से पहले फैसले के बिल्कुल विपरीत पर विचार करें। अपने निर्णयों के बारे में कॉन्फिडेंट होना जरूरी है। हमेशा दूसरे विकल्पों के बारे में सोचें। ऐसा करने से आपको विश्वास मिलेगा की आप सही निर्णय ले रहे हैं या नहीं।

अपनी गलतियों का सामना करें

अपनी गलतियों का सामना करना आसान नहीं है। जब निर्णय लेने का समय हो, तो पिछली समान स्थितियों के बारे में सोचें जब आपने गलती की होगी। पता लगाएं कि आपने क्या किया या क्या नहीं किया जिससे आपकी गलती हुई। अपनी गलतियों का सामना करके आपको एहसास होगा कि निर्णय लेते समय किन गलतियों से बचना चाहिए।

अपने आप को कुछ समय दें

दबाव में स्पष्ट रूप से सोचना मुश्किल होता है। कभी-कभी आपका पहला विचार सबसे अच्छा नहीं होता। इसलिए अपने आप को कुछ समय के लिए किसी समस्या पर बैठने का मौका दें, ताकि आप अपने विकल्पों पर विचार कर सकें।

दूध उफनने से कैसे बचाएं?

किचन में काम करते-करते अक्सर ऐसा होता है कि आप दूध उबालने के लिए रखती हैं और वह निकल जाता है। ऐसे में दूध न सिर्फ गैस स्टोव पर फैलता है, बल्कि किचन के फ्लोर को भी गंदा कर देता है। इस गंदगी को साफ करने में भी पसीने छूट जाते हैं। आइए आपको ऐसे तरीके बताते हैं, जिनकी मदद से आपको भविष्य में कभी भी इस तरह की दिक्कत नहीं होगी।**

हमेशा बड़ा बर्तन करें इस्तेमाल

अगर आप उबालते वक्त दूध को फैलने से बचाना चाहती हैं तो उसके लिए हमेशा बड़ा बर्तन इस्तेमाल करें। इससे उबलते वक्त दूध को एक्स्ट्रा स्पेस मिल जाता है और वह बाहर नहीं फैलता है। अगर आप छोटे बर्तन में दूध उबालती हैं तो दूध काफी तेजी से बाहर निकल आता है। ऐसे में आप जब भी दूध उबालें तो उसकी क्वांटिटी के हिसाब से बड़ा बर्तन ही इस्तेमाल करें।

लकड़ी का स्पैटुला भी आता है काम

क्या आपको पता है कि लकड़ी का स्पैटुला भी उबलते वक्त दूध को फैलने से रोकता है? आपको यह जानकर हैरानी होगी कि यह ट्रिक काफी कारगर है और लगभग हर बार काम आती है। जब भी आप दूध उबालने जाएं तो बर्तन के ऊपर लकड़ी का स्पैटुला रख दें। इससे भाप की टॉप लेयर को तोड़ देता है और दूध बाहर नहीं फैलता। गौर करने वाली बात यह है कि कभी भी स्टील का स्पैटुला इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, क्योंकि वह गरम हो जाता है, जिसे पकड़ने में दिक्कत हो सकती है।

मक्खन की मदद से भी बचा सकते हैं दूध

उबलते हुए दूध को बर्तन से बाहर फैलने से बचाना चाहती हैं तो आप मक्खन यानी बटर भी इस्तेमाल कर सकती हैं। जब भी आप दूध उबालने जाएं, उससे पहले बर्तन के किनारों पर बटर लगा दें। इससे बर्तन के किनारे चिकने हो जाएंगे और दूध बाहर निकलकर नहीं फैलेगा। अगर आपके पास मक्खन नहीं है तो आप तेल भी इस्तेमाल कर सकती हैं, लेकिन इससे दूध में तेल की स्मेल आने का डर रहता है।

डबल बॉयलर मैथड भी बेहद कारगर

आमतौर पर डबल बॉयलर मैथड को चॉकलेट पिघलाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इससे दूध को भी उबाला जा सकता है। इसके लिए आप एक बड़ा बर्तन ले लीजिए और उसमें एक चौथाई पानी भर लीजिए। अब इस पानी को धीमी आंच पर गरम होने के लिए रख दीजिए। जब पानी उबलने लगे, तब उसके ऊपर दूध वाला बर्तन रख दीजिए। इस तरीके से दूध उबलने में थोड़ा वक्त लगेगा, लेकिन दूध कभी भी बाहर नहीं फैलेगा।

चेहरे से पिंपल्स और दाग-धब्बे हटाने के उपाय

चेहरे को खूबसूरत बनाने के लिए हर कोई महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करता है, लेकिन फिर भी उनके चेहरे से पिंपल्स और दाग धब्बे हटते ही नहीं है। अगर आप भी कई प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने के बाद भी चेहरे पर होने वाले दाग धब्बे, झुर्रियों से परेशान हैं, तो यह घरेलू नुस्खा आजमा सकते हैं। हम बात कर रहे हैं, चाय पत्ती की। अक्सर लोग चाय बनाने के बाद बची हुई चाय पत्ती को फेंक देते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं, इस बची हुई चायपत्ती का इस्तेमाल कर आप अपने चेहरे को खूबसूरत बना सकते हैं। अगर नहीं तो आज हम आपको इसके इस्तेमाल के बारे में बताएंगे। आइए जानते हैं बची हुई चाय पत्ती का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है। अगर आप ओपन पोर्स, झुर्रियों या दाग धब्बे से परेशान है, तो बची हुई चाय पत्ती का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको चाय पत्ती में एलोवेरा जेल को मिलाना होगा, फिर इसे मिक्सर में पीस ले। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें, 10 मिनट बाद अपने चेहरे को साफ पानी से धो लें। ऐसा अगर आप हफ्ते में दो से तीन बार करते हैं, तो आपको कुछ ही दिनों में असर देखने को मिलेगा।**

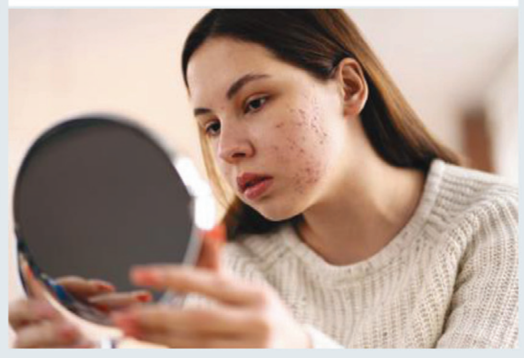

फटी एड़ियों के लिए फायदेमंद

यही नहीं कुछ लोगों की एड़ियां फट जाती है, तो वहीं कुछ लोगों की गर्मी और सर्दी दोनों मौसम में फटने लगती है। फटी एड़ियां डेड सेल्स और गंदगी का कारण बन जाती है। फटी एड़ियों के लिए अगर आप चाय पत्ती का इस्तेमाल करते हैं, तो कुछ ही दिनों में एड़ियां खूबसूरत दिखने लगेगी। इससे छुटकारा पाने के लिए आप चाय पत्ती को धोकर उसमें ओट्स और नारियल तेल को मिक्स कर दें। फिर इस पेस्ट को एड़ियों पर लगाएं और अच्छी तरह स्क्रब करें। स्क्रबिंग के थोड़ी देर बाद आप गुनगुने पानी में अपने पैरों को डीप करें, फिर स्क्रब कर अच्छे तरीके से धो लें।

शरीर को करें साफ

इसके अलावा आप बची हुई चाय पत्ती से अपने शरीर को साफ कर सकते हैं। इसके लिए आपको चाय पत्ती को पानी से धोकर छान लेना है, अब इसमें थोड़ा तेल और बॉडी स्क्रब मिक्स कर दें। इस पेस्ट को अपने शरीर पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें, ऐसा करने से डेड सेल्स हटाने में मदद मिलेगी।

आप बची हुई चाय पत्ती का इस्तेमाल घुटने और कोहनी के कालेपन को दूर करने के लिए भी कर सकते हैं। इन सभी तरीके को अपनाकर आप बची हुई चाय पत्ती का इस्तेमाल कर सकते हैं और अपने चेहरे को खूबसूरत बना सकते हैं। ध्यान रहे इसका इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें, क्योंकि कुछ लोगों को इससे एलर्जी हो सकती है। अगर ऐसा होता है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

बरसात के दिनों में खानापान पर ध्यान दें

बारिश का सीजन चल रहा है। इस दौरान बीमारियों का खतरा सबसे ज्यादा होता है। ऐसे में सावधान रहना चाहिए। खानपान को लेकर जरा सी लापरवाही सेहत पर भारी पड़ सकती है। इस मौसम में बाहर का कुछ भी खाना अवॉयड करना चाहिए। ऑयली चीजों से भी दूरी बनाकर रखना चाहिए। वहीं, बासी खाना खाने से बचना चाहिए। एक्सपर्ट्स का कहना है कि कुछ लोग बरसात में दिन में एक बार खाना बना लेते हैं और रात तक उसी को खाते रहते हैं, जो खतरनाक हो सकता है। । यहां जानिए खाना बनाने के कितने देर तक खा सकते हैं...**

बारिश में बना खाना कितनी देर बाद नहीं खाना चाहिए

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि बरसात के दिनों में तापमान गिर जाता है, हवा में नमी बढ़ जाती है, जिससे वायरस, बैक्टीरिया, फंगस आसपास मौजूद होते हैं। इसी कारण इस मौसम में हमेशा ताजा खाना ही खाना चाहिए। इस सीजन में 3 घंटे से ज्यादा देर तक रखा नहीं खाना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि इस मौसम में कई खाना जल्दी खराब हो जाते हैं और पता भी नहीं चलता है। इसे खाने के बाद पेट में इंफेक्शन हो सकता है।

खाना बनाने के बाद क्या करना चाहिए

एक्सपर्ट्स का कहना है कि बरसात में खाना बनाकर फ्रिज में रखना और बाद में खा लेना भी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। खाने को फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। कोशिश करें कि खाना बनाने के बाद उसे खा लें। मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने के लिए हमेशा गर्म फूड्स ही खाना चाहिए। बरसात में खाना बनाते समय साफ-सफाई का खास ख्याल रखें। हमेशा खाना बनाने के लिए साफ पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। फल और सब्जियां हमेशा धोकर ही खाना चाहिए। गुनगुने पानी में नमक डालकर सब्जियों को अच्छी तरह साफ करना चाहिए।

खाने में इन चीजों को शामिल करें

एक्सपर्ट्स का कहना है कि बारिश में शरीर का मेटाबॉलिज्म कम हो जाता है और इम्यूनिटी लो हो जाती है, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इम्यूनिटी बूस्ट करने पर फोकस करना चाहिए। खाने में अदरक, लहसुन और नींबू को शामिल करना चाहिए।

इन एक्सरसाइज से करें स्ट्रेंथ मजबूत..

40 की उम्र पार होने के साथ ही शरीर में ताकत कम महसूस होने लगती है। जिसकी मुख्य वजह हड्डियों की कमजोरी होती है। अक्सर रोजमर्रा के काम करने या फिर भारी सामान उठाने में दिक्कत महसूस होती है। अगर शरीर के बैलेंस और स्टैबिलिटी को बनाए रखना चाहते हैं,तो 40 के बाद इन एक्सरसाइज को अपने रूटीन में जरूर शामिल कर लें। जिससे शरीर की स्ट्रेंथ 40 के बाद भी बरकरार रहेगी। 40 के बाद इन एक्सरसाइज से करें स्ट्रेंथ मजबूत.....**

स्क्वाट्स - फिटनेस एक्सपर्ट्स का मानना है कि स्क्वाट्स करने से कई सारी मसल्स ग्रुप पर एक साथ असर होता है। जिससे शरीर को फंक्शनल स्ट्रेंथ मिलती है और ये फंक्शनल स्ट्रेंथ रोजाना के काम चलने फिरने, सीढ़ी चढ़ने, किसी भी सामान को उठाने के लिए जरूरी होती है। स्क्वाट्स करने से शरीर को बैलेंस करने और स्थिर करने में मदद मिलती है क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ अक्सर लोग लड़खड़ाकर गिर जाते हैं। जो हड्डियों के टूटने की वजह बन जाता है और फ्रैक्चर पड़ जाता है।

डेडलिफ्ट - डेडलिफ्ट एक्सरसाइज महिलाओं और पुरुषों दोनों के शरीर की स्ट्रेंथ को बढ़ाने के लिए बहुत जरूरी है। इस एक्सरसाइज की मदद से बैक पेन, पोश्चर की गड़बड़ी को सही करने में मदद मिलती है। साथ ही ये हाथों की पकड़ को भी मजबूत बनाता है। जो उम्र बढ़ने के साथ ढीली पड़ जाती है। महिलाओं में 40 के बाद बोन डेंसिटी कम होने लगती है। ऐसे में डेड लिफ्ट करने से हड्डियों का घनत्व बढ़ता है और ऑस्टियोपिरोसिस जैसी समस्या नही होती है।

डेड लिफ्ट करने का तरीका- डेड लिफ्ट करने के लिए सबसे कमर से आगे की तरफ झुकें। कमर को बिल्कुल सीधा करें और फिर जमीन पर रखे भार को उठाएं। हालांकि इस एक्सरसाइज को बिना किसी फिटनेस एक्सपर्ट की देखरेख के बगैर नहीं करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

नेत्र सहायक अधिकारियों का अन्य राज्यों के तरह प्रोमेशनल चैनल बनाने की मांग

दुर्ग। मंगलवार 24 सितंबर को छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए नेत्र सहायक अधिकारी वी एस राव वरिस्ट नेत्र सहायक अधिकारी के माध्यम से डॉ प्रियंका शुक्ला संचालक स्वास्थ्य सेवाये रायपुर से भेट कर विभिन्न राज्यो में जिस तरह से नेत्र सहायक अधिकारियों का प्रोमेशनल चैनल बना है, उसी तरीके से छत्तीसगढ़ में भी पदोन्त चैनल बनाने की माग की गई, एवम उच्च न्यायालय से प्राप्त 25.08.25 के निर्देशानुसार एक माह में शासन के द्वारा न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए दिशा निर्देश दिए गए उसकी छाया प्रति देकर संचालक से बात कर मांग किया गया। जिस पर डा.शुक्ला ने पूरे डेलीगेशन से कहा छत्तीसगढ़ शासन के अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के तहत स्कूल बच्ची का नेत्र परीक्षण, मोतियाबिंद आपरेशन, प्रेस बायोपिक वितरण, चश्मा वितरण करने का दिशा निर्देश दिया एवम उनके द्वारा पूरे राज्य में अंधत्व निवारण का कार्य अच्छे से करने के निर्देश दिये और कहा आप लोग अच्छा कार्य करेंगे तो मैं भी शासन के समक्ष पदोन्नति हेतु मांग शासन के समक्ष अच्छा लगेगा इस पर वी एस राव सर ने डॉ प्रियंका मैडम को पूरा आश्वासन दिया कि हम लोगो पूरे राज्य से अच्छा कार्य करके दिखायेंगे इस माह राज्य के सभी बच्चों का नेत्र परीक्षण करके देगें जिस पर डा.शुक्ला ने आश्वासन दिया गया की आप लोगो के बरसो की माँग को पूरा करूँगी, इस अवसर पर श्री राव के साथ राजनंदगांव से लोकेश सोनवानी धमतरी से क्षितिज साहू लोकेश कुर्रे दुर्ग से संतोष सोनवानी रायपुर देवेंद्र दड़सेना गौतम रात्रे , सालिक राम नवरंगे उपस्थित थे।

पटरी पार इलाके में बिजली जोन कार्यालय जल्द से जल्द खोलने की मांग

राजनांदगांव। पटरी पार क्षेत्र में रह रहे लोगों को बिजली कटौती, लो वोल्टेज और फॉल्ट सुधार में देरी जैसी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। बिजली समस्या से हलाकान जनता की पीड़ा को कांग्रेस के उत्तर ब्लॉक अध्यक्ष आसिफअली ने स्वर देते हुए जल्द से जल्द बिजली कंपनी का जोन कार्यालय पटरी पार में खोलने की मांग की है। आसिफअली ने कहा कि पटरी पार इलाकों में अक्सर बिजली की आंख-मिचौनी बनी रहती है। फॉल्ट या हादसे की सूचना देने पर बिजली विभाग का फोन नहीं उठता, और यदि उठता भी है तो स्टाफकी कमी का हवाला देकर टीम को भेजने में देरी की जाती है। नतीजतन क्षेत्र के लोगों को घंटों तक अंधेरे और गर्मी में रहना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सीमित कर्मचारियों के जिम्मे पूरा क्षेत्र होने के कारण शिकायत मिलने के बाद भी सुधार कार्य में घंटों का विलंब होता है। खासकर बारिश और गर्मी के मौसम में हालात और भी बिगड़ जाते हैं। बिजली जाने से घरों के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई, व्यापारी वर्ग और छोटे उद्योगों का कामकाज भी प्रभावित होता है। हालांकि, आसिफअली ने यह भी कहा कि चिखली सब स्टेशन में एटीपी मशीन लगने से बिजली बिल भुगतान में राहत मिली है। अब लोगों को कैलाश नगर या लालबाग नहीं जाना पड़ता। इसी तरह यदि पटरी पार में बिजली जोन कार्यालय खोल दिया जाए और पर्याप्त स्टाफ की व्यवस्था हो, तो बिजली सुधार कार्य में तेजी आएगी और लोगों को राहत मिलेगी। आसिफ अली ने बताया कि यह मांग जनता की परेशानी को ध्यान में रखते हुए की गई है, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की जनहानि या बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके। उन्होंने बिजलीकंपनी से जल्द निर्णय लेने की अपील की है।

25 सितंबर को होगा जिले में महा स्वच्छता अभियान का आयोजन

कवर्धा। कबीरधाम जिले के सभी शासकीय कार्यालयों, स्कूल, कॉलेज, प्रमुख चौक-चौराहे, सड़क, बस स्टैण्ड, सार्वजनिक स्थान हॉस्पिटल आंगनबाड़ी केन्द्रों सहित अन्य स्थानों में 25 सितंबर 2025 को सुबह से महा स्वच्छता अभियान का आयोजन करते हुए जनभागीदारी से सभी स्थानो की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश पुरे प्रदेश को दिये जाने का निर्णय अध्यक्ष ईश्वरी साहू की अध्यक्षता में गत दिवस आयोजित सामान्य सभा की बैठक में लिया गया। इस आयोजन में जिले के सभी जनप्रतिनिधिगण, सभी अधिकारी, कर्मचारी, पालकगण, जनभागीदारी समिति के सदस्य, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका सहित अन्य नागरिकों से इसमें भाग लेने का आव्हान किया गया।

छत्तीसगढ़ हॉकी की अनिशा साहू ऑस्ट्रेलिया में दिखाएंगी जौहर, प्रदेश की बेटी ने बढ़ाया मान

राजनांदगांव (समय दर्शन)। बैंग्लोर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही जूनियर इंडिया कोर टीम में शामिल प्रदेश की अनिशा साहूका चयन ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले इंडियन जूनियर वोमेन्स स्मड फॉर ऑस्ट्रेलिया टूर के लिए किया गया है, यह टूर आने वाले समय में आयोजित जूनियर महिला वर्ल्ड कप 2025 की तैयारियों को लेकर किया जा रहा है। इस 24 सदस्यी टीम में से ही उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन दिसंबर में होने वाले एफआईएच हॉकी जूनियर महिला विश्वकप के लिए किया जायेगा।

ज्ञात हो कि अनिशा साहू विगत 4 वर्षो से जूनियर टीम की सदस्य के रूप में शामिल है और उन्होंने अपने खेल के प्रदर्शन के आधार पर यह जगह बनाई है। छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने बताया की ऑस्ट्रेलिया में आगामी 26 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक आयोजित होगी। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अपने आगामी पांच मैचों के ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए सोमवार शाम बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुई। टीम सिडनी होते हुए कैनबरा पहुँच रही है, जहां वे इस साल के अंत में चिली के सैंटियागो में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2025 से पहले एक महत्वपूर्ण तैयारी श्रृंखला में भाग लेंगे।

26 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक होने वाले इस दौरे में भारत अपने पहले तीन मैच ऑस्ट्रेलिया जूनियर महिला टीम के खिलाफ खेलेगा, उसके बाद स्थानीय टीम कैनबरा चिल के खिलाफ दो मैच खेलेगा। सभी मैच 26 सितंबर, 27 सितंबर, 29 सितंबर, 30 सितंबर और 2 अक्टूबर को कैनबरा के राष्ट्रीय हॉकी केंद्र में खेले जाएँगे। आनंदना कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन द्वारा समर्थित, यह एक्सपोजर टूर विश्व कप के लिए टीम की महत्वपूर्ण तैयारी का हिस्सा है और खिलाड़ियों को उच्च गुणवत्ता वाली टीमों के खिलाफ विदेशी परिस्थितियों में प्रतिस्पर्धा करने का बहुमूल्य अनुभव प्रदान करेगा।

दिनांक 26 सितंबर से 02 अक्टूबर 2025 तक आयोजित ऑस्ट्रेलिया टूर में भाग लेने के पूर्व अनिशा बेल्जियम, नीदरलैंड और जर्मनी, अर्जेंटीना का दौरा कर चुकी है। भारतीय हॉकी टीम की ओर से यह उसका तीसरा दौरा होगा, जब वह जूनियर महिला इंडिया टीम की ओर से प्रतिनिधित्व करेगी।

छत्तीसगढ हॉकी के महासचिव मनीष श्रीवास्तव ने बताया की यह बढ़े ही गर्व का विषय है कि आज प्रदेश की बेटी देश के लिए खेलने जा रही है। अनिशा साहू विगत कई वर्षो से छत्तीसगढ हॉकी की ओर से राष्ट्रीय प्रतियोगिताओ में प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रही है, उनकी इस उपलब्धि पर पूरा प्रदेश गौरावित है।

अनिशा साहू के ऑस्ट्रेलिया टूर में चयन होने पर विष्णु देव साय मुख्यमंत्री छग शासन, डॉ. रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष छग शासन, उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरूण साव, प्रभारी मंत्री गजेंद्र यादव, खेल संचालक श्रीमती तनुजा सलामे, सांसद संतोष पांडे, मधुसूदन यादव महापौर, अभिषेक सिंह पूर्व सांसद, सचिन बघेल अध्यक्ष-जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, दलेश्वर साहू विधायक-डोंगरगांव, श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल विधायक-डोंगरगढ़, विक्रम सिसोदिया महासचिव छग ओलंपिक संघ, फिरोज अंसारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ हॉकी, मनीष श्रीवास्तव महासचिव छत्तीसगढ़ हॉकी, डी. रविशंकर वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ए एक्का सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग राजनांदगांव, निगम नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले, कोषाध्यक्ष सुश्री आशा थॉमस, जिला हॉकी संघ राजनांदगांव के सचिव शिवनारायाण धकेता, नीलमचंद जैन, कुतुबुद्दीन सोलंकी, रमेश डाकलिया, भुषण सॉव, नरेश डाकलिया पूर्व महापौर, पार्षद छोटेलाल रामटेके, ज्ञानचंद जैन, गणेश प्रसाद शर्मा, अनुराज श्रीवास्तव, अब्दुल कादिर, प्रिंस भाटिया, राजू रंगारी, महेंद्र ठाकुर, गुणवंत पटेल, कुमार स्वामी सहित छत्तीसगढ़ के सभी हॉकी प्रेमियों ने प्रसन्नता व्यक्त की और अच्छे प्रदर्शन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।

दक्षिण कश्मीर में 185 बटालियन, सी.आर.पी.एफ द्वारा अंतर-परिचालनिक ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

दंतेवाडा । लेथपोरा, पुलवामाः दक्षिण कश्मीर परिचालन रेंज, सी.आर.पी.एफ अवंतीपोरा के दिशा-निर्देशों के तहत 185 बटालियन, सी.आर.पी.एफ, लेथपोरा, पुलवामा (जम्मू व कश्मीर) द्वारा 24-25 सितंबर, 2025 को अंतर-परिचालनिक बटालियन ट्रैक एंड फील्ड प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में दक्षिण कश्मीर रेंज की आठ परिचालनिक बटालियनों की टीमें भाग ले रही हैं।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि दीपक कुमार, आई.पी.एस., अपर महानिदेशक (प्रशिक्षण), सी.आर.पी.एफ ने किया। उद्घाटन समारोह में ब्रिगेडियर रोहित नौटियाल, पुलिस उप महानिरीक्षक/प्राचार्य, आर.टी.सी. लेथपोरा, विजय कुमार सिंह, कमाण्डेंट, आर.टी.सी. लेथपोरा, यादवेन्द्र सिंह यादव, कमाण्डेंट, 185 बटालियन, विनोद टण्डन, द्वितीय कमान अधिकारी, सुनील मिश्रा, द्वितीय कमान अधिकारी, धर्मदास चौरसिया, उप कमाण्डेंट, शिवराम मीणा, उप कमाण्डेंट, अन्य राजपत्रित अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी और जवान उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़, 4×100 मीटर रिले, 1500 मीटर दौड़, क्रॉस कंट्री, लंबी कूद, ऊँची कूद और शॉट पुट जैसी स्पर्धाएँ आयोजित की जा रही हैं। इन खेलों का उद्देश्य सी.आर.पी.एफ कार्मिकों की शारीरिक क्षमता, प्रतिस्पर्धात्मक भावना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। मुख्य अतिथि दीपक कुमार ने अपने संबोधन में आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की और प्रतिभागियों के उत्साह व समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन शारीरिक सहनशक्ति, मानसिक दृढ़ता, टीम भावना और अनुशासन को मजबूत करते हैं। यह प्रतियोगिता कार्मिकों को अपनी खेल प्रतिभा और शारीरिक दक्षता प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती है, साथ ही आपसी एकता, सहयोग और उत्कृष्टता की भावना को बढ़ावा देती है।

अंत में, श्री यादवेन्द्र सिंह यादव, कमाण्डेंट, 185 बटालियन ने मुख्य अतिथि दीपक कुमार का कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

यह आयोजन न केवल खेलों के प्रति उत्साह को प्रोत्साहित करता है, बल्कि सी.आर.पी.एफ के कार्मिकों में एकता और अनुशासन की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

कमला महिला कॉलेज में मनोविज्ञान परिषद का गठन, छात्राओं को सौंपे गए दायित्व

राजनांदगांव। शासकीय कमला देवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 20 सितंबर 2025 को मनोविज्ञान परिषद् का गठन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओंकार लाल श्रीवास्तव एवं मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. बसंत कुमार सोनबेर की उपस्थिति में विभिन्न पदों के लिए छात्राओं का मनोनयन किया गया।

एमए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा दिव्या जसवानी को परिषद का अध्यक्ष, आंचल सोनी को सचिव तथा संध्या यादव को कोपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं एमए प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं संतोपी यादव को उपाध्यक्ष तथा प्रियंका मानिकपुरी को सहसचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. ओंकार लाल श्रीवास्तव ने सभी नव.निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मनोविज्ञान विभाग महाविद्यालय का एक प्रमुख विभाग है। परिषद् के माध्यम से छात्राओं को रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन कर विभाग की पहचान और प्रतिष्ठा बढ़ानी होगी।

विभागाध्यक्ष डॉ. बसंत कुमार सोनबेर ने बताया कि दुर्ग विश्व विद्यालय के अंतर्गत संचालित एकमात्र मनोविज्ञान शोध केन्द्र हमारे महाविद्यालय में स्थित है, जो कि गौरव की बात है। अभी तक यहां से तीन छात्राओं को पीएचडी की उपाधि मिल चुकी है और वर्तमान में 10 शोधार्थी अध्ययनरत हैं।

कार्यक्रम में अतिथि प्राध्यापक डॉ. मोना माखीजा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में मनोविज्ञान की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। यह विषय करियर के अनेक रास्ते खोलता है। छात्राएं लगन और समर्पण से अध्ययन करें तो भविष्य में अपार संभावनाएं उनके सामने होंगी।

कार्यक्रम का संचालन एमए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सिद्धी मिरानी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डाली कोमा के द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर एमए प्रथम और तृतीय सेमेस्टर की समस्त छात्राएं मौजूद रहीं।

कोरबी चौकी प्रभारी सुरेश जोगी की तत्परता और सूझबूझ से गौ-तस्करी का भंडाफोड़, वाहन जब्त, मौके पर एफआईआर दर्ज

कोरबा (समय दर्शन)। पोड़ी उपरोड़ा प्रखंड के कोरबी पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घुंचापुर में मंगलवार की देर रात 1:30 बजे पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर गौतस्करी की बड़ी साजिश का पर्दाफाश किया। चौकी प्रभारी सुरेश जोगी के नेतृत्व में की गई इस कार्यवाही में पुलिस ने संदिग्ध वाहन क्रमांक छत्त14क्र374 को पकड़कर उसमें भरे दर्जनों गौवंशों को मुक्त कराया।

मौके पर पहुंचे चिकित्सा अधिकारी ने तत्काल ही गौवंशों का मुलाहिजा (स्वास्थ्य परीक्षण) किया। वहीं चौकी प्रभारी सुरेश जोगी ने पूरी सखूती दिखाते हुए घटनास्थल पर ही एफआईआर दर्ज कर तस्करों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया।

इस दौरान ग्राम सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीण भी घटनास्थल पर मौजूद रहे। ग्रामीणों ने पुलिस की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की कार्रवाई से तस्करों के हौसले पस्त होंगे और अवैध गतिविधियों पर रोक लगेगी।

वाहन छत्त14क्र374 को जब्त कर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार तस्करों की तलाश तेज कर दी है। देर रात हुई इस कार्यवाही से इलाके में दहशत का माहौल है और तस्करों में हड़कंप मच गया है।

9 वां अंतरराष्ट्रीय यूनिफॉर्म मैन्युफैक्चरर्स फेयर 2025 मुंबई में वैश्विक यूनिफॉर्म उद्योग के लिए बड़ा मंच

दिल्ली : 9वां अंतरराष्ट्रीय यूनिफॉर्म मैन्युफैक्चरर्स फेयर 2025 का आयोजन सोलापुर गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा महाराष्ट्र सरकार के वस्त्रोद्योग विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय आयोजन 26 से 28 नवंबर 2025 तक मुंबई के नेस्को एग्ज़िबिशन सेंटर, गोरेगांव में होगा,

वैश्विक यूनिफॉर्म बाजार 65 बिलियन SD पार, और वृद्धि की ओर अग्रसर- एआई-पावर्ड वर्चुअल यूनिफॉर्म फैशन शोः उद्योग में पहली बार भारत - सोलापुर गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन , वस्त्र विभाग, महाराष्ट्र शासन के सहयोग से गर्व के साथ 9वाँ अंतर्राष्ट्रीय यूनिफॉर्म निर्माता मेला 2025 आयोजित कर रहा है। यह मेला 26 से 28 नवंबर, 2025 को हॉल नंबर 4, नेसको प्रदर्शनी केंद्र, गोरेगाँव, मुंबई में आयोजित होगा। तीन दिवसीय इस मेला में 150 से अधिक राष्ट्रीय ब्रांड भाग लेंगे, जो 30,000 से अधिक यूनिफॉर्म डिज़ाइन और 15,000+ फैब्रिक डिज़ाइन प्रदर्शित करेंगे। यह वैश्विक यूनिफॉर्म उद्योग के लिए एक अनूठा और बड़ा स्रोत केंद्र साबित होगा। 2017 में पहले प्रदर्शनी के बाद से, SGMA लगातार यूनिफॉर्म क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। 9वें अंतर्राष्ट्रीय यूनिफॉर्म निर्माता मेले 2025 में स्कूल, अस्पताल, होटल, कॉर्पोरेट, खेल, वर्कवियर, फैब्रिक्स, एक्ससेसरीज़, फुटवियर और अन्य सभी यूनिफॉर्म से संबंधित चीज़ें एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा मंच है, श्री अजय रंगरेज, फेयर चेयरमैन, SGMA ने कहा।

गगनचुंबी पानी टंकियों में बिना सुरक्षा उपकरणों के श्रमिक कर रहे हैवी कार्य

कोरबा जिले अंतर्गत निर्माणाधीन पानी की टंकियों में मजदूरों को काम के दौरान नहीं उपलब्ध कराये जा रहे सुरक्षा उपकरण

ना कोई सेफ्टी रूल्स न रेगुलेशन ,दुर्घटना की स्थिति में आखिर जिम्मेदार होगा कौन

लापरवाह संविदाकारों को नहीं है मजदूरों के जिंदगी की फिक्र

कोरबा : (समय दर्शन)। लापरवाह संविदाकार निर्माण कार्यों में संलग्न श्रमिकों के जीवन से लगातार कर रहे है खिलवाड़ । संविदाकारों द्वारा श्रमिकों को सुरक्षा उपकरण प्रदान नहीं किया जा रहा है, जिससे हादसों का खतरा बना रहता है।

जिम्मेदार अधिकारी द्वारा निर्माण कार्यों में संलग्न मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की दिशा में पहल नहीं कर रहे है। शहर सहित ग्रामीण अंचलों में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों में बिना सुरक्षा उपकरणों के श्रमिक ऊंचाइयों में कार्य कर रहे हैं, जिससे हादसों का खतरा निरंतर बना रहता है।

समय दर्शन की टीम द्वारा ग्रामीण अंचलों में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्य और अलग अलग जगहों गगनचुंबी पानी टंकियों के निर्माण का जायजा लिया गया तो वहां कार्यरत श्रमिकों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने में बड़ी चूक देखने को मिली। निर्माण कार्यों में कार्यरत श्रमिक बिना सुरक्षा उपकरण जान जोखिम में डालकर कार्य करते नजर आए।

जो कि अत्यंत गंभीर विषय है। इससे स्पष्ट पता चलता है की संबंधित अधिकारी और संविदाकार इस ओर ध्यान ना देते हुए सुषुप्तावस्था में चले गए है शायद कोई गंभीर अप्रिय दुर्घटना के इंतजार में है तभी इनकी सोई हुई नींद शायद खुले।

आइए एक नजर डालते है ग्रामीण अंचलों के पानी टंकियों की ओर तो सबसे पहले पाली विकासखंड अंतर्गत के ग्राम पंचायत कांजी पानी में श्रमिकों को बिना कोई सेफ्टी उपकरण और हेल्मेट के ऊंची पानी टंकी के नीचे और ऊपर चढ़कर कार्य करते हुए स्पष्ट देखा गया । श्रमिकों से पूछने पर श्रमिकों द्वारा कहा गया कि सेफ्टी हेल्मेट, सेफ्टी बेल्ट और अन्य उपकरण उन्हें नहीं प्रदान किया गया है । इस संबंध में उनके ठेकेदार से भी बात किया गया पर श्रमिकों के सुरक्षा के संबंध में उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया और न ही अपनी जिम्मेदारी व्यक्त की ।

इसी कड़ी में दूसरी ओर ग्राम पंचायत लाफा में बन रहे महा विद्यालय भवन में भी तमाम संगठित महिला एवं पुरुष श्रमिक बिना सुरक्षा उपकरण के जान जोखिम में डालकर कार्य करते नजर आए। श्रमिकों को सिर पर न तो हेलमेट दिखा और न ही हाथों में दस्ताने। अन्य स्थलों का हाल भी अत्यंत चिंताजनक है जैसे पोड़ी उपरोड़ा प्रखंड के एतमा नगर बागों और ग्राम सार्भोका स्थित ऊंची पानी टंकीयों के निर्माण में भी यही लापरवाही देखी गई है ।

इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। की इस मशीनी युग में श्रमिकों की जिंदगी भी एक मशीन की तरह बन चुकी है जिसे ठेकेदारों द्वारा केवल अपने काम से काम ही मतलब रखते देखा जा रहा है इनकी जिंदगी की कोई परवाह किसी को नहीं है जिम्मेदार अधिकारी भी श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं करा पा रहे हैं जिसके कारण निर्माणाधीन पानी की टंकीयों में मजदूर उंचाई पर बिना सुरक्षा उपकरण के कार्य करते नजर

खबर-खास

गरियाबंद पुलिस द्वारा अधिकारी/कर्मचारियों के उत्साहवर्धन के लिए कॉप ऑफद मंथ चुना गया

गरियाबंद। इस पहल के तहत पुलिसकर्मियों द्वारा ड्यूटी के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मचारियों को कॉप ऑफद मंथ का चुनाव किया जाता है।*माह अगस्त 2025* में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी/कर्मचारी प्रधान आरक्षक कृष्ण कुमार गिलहरे थाना छुरा एवं आरक्षक योगेश सिंह थाना गरियाबंद के द्वारा संयुक्त रूप से में 196 किलो ग्राम गांजा के साथ 4 आरोपियों की गिरफ्तारी करवाने में विशेष भूमिका,आरक्षक यादराम ध्रुव थाना फिंगेश्वर के द्वारा चोरी एवं नशीली टेबलेट के आरोपी को गिरफ्तार करवाने में विशेष भूमिका,आरक्षक सुरज कुमार रात्रे थाना राजिम के द्वारा चोरी के प्रकरण में आरोपी को गिरफ्तार करवाने में विशेष भूमिका,आरक्षक दिनेश यादव थाना अमलीपदर के द्वारा 120 लीटर छिंद रस शराब के साथ आरोपी को गिरफ्तार करवाने में विशेष भूमिका,आरक्षक जितेन्द्र परिहार थाना मैनपुर के द्वारा हत्या के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करवाने में विशेष भूमिका।इस माह 6 अधिकारी/कर्मचारी कॉप ऑफ द मंथ रहे।इस पहल के माध्यम से माह में सराहनी एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।जिससे अधिकारी/कर्मचारियों में उत्साह बनी रहती है। यह पहल आगे भी जारी रहेगा।

राज्य स्तरीय बाढ़ आपदा प्रशिक्षण हेतु मॉक ड्रिल 25 सितम्बर को

मरौदा एवं तौरेंगा जलाशय में आपदा प्रबंधन की होगी परख

गरियाबंद। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय भारत सरकार,छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गरियाबंद के संयुक्त तत्वावधान में जिले में राज्य स्तरीय बाढ़ आपदा प्रशिक्षण मॉक एक्सरसाइज आयोजित किया जाएगा।यह मॉक ड्रिल 25 सितम्बर 2025, गुरुवार को प्रातः 11 बजे मरौदा जलाशय (ग्राम मरौदा,तहसील गरियाबंद) तथा तौरेंगा जलाशय (ग्राम तौरेंगा,तहसील छुरा, जिला गरियाबंद) में होगा।इस दौरान आपदा की परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों की परख की जाएगी और आम नागरिकों को बाढ़ आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाएगा।इस संबंध में कलेक्टर बी एस उईके ने सार्वजनिक सूचना जारी की है।कलेक्टर ने बताया कि यह केवल एक प्रशिक्षण प्रक्रिया है,इसलिए नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है।मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्यों की वास्तविक स्थिति का अभ्यास किया जाएगा, जिससे अधिकारियों,कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों को आपातकालीन परिस्थिति का अनुभव मिल सके।मॉक ड्रिल के संबंध में नागरिकों के लिए विशेष निर्देश जारी किए गए है।इसके अनुसार अभ्यास के दौरान शांति बनाए रखें और किसी प्रकार की घबराहट न फैलाएं। अफवाहों से दूर रहें और दूसरों को भी सही जानकारी दें। मॉक ड्रिल में प्रशासन को सहयोग प्रदान करें। जिला प्रशासन ने अपील की है कि नागरिक अपने-अपने स्तर पर सहयोग दें, क्योंकि आपदा के समय जनता की भागीदारी और सजगता सबसे महत्वपूर्ण होती है।

विधायक भावना बोहरा मोहत्तरा खुर्द में महतारी सदन के वर्चुअल उद्घाटन में शामिल हुईं

बाजार चारभाठा एवं ढोरली में किया विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन।

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधानसभा की महिलाओं के सशक्तिकरण एवं ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 24 लाख 70 हजार रुपए की लागत से निर्मित होने वाले महतारी सदन का लोकार्पण किया। इस दौरान भावना बोहरा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और क्षेत्रवासियों को इस सौगात के लिए बधाई दी।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने जनता की मांग व क्षेत्र में जनसुविधाओं के विस्तार के तहत 23 सितंबर को कुल 71 लाख रुपए से अधिक के विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों की सौगात पंडरिया विधानसभा वासियों को मिली है जिसके प्रति जनता ने भी मुख्यमंत्री एवं पंडरिया विधायक भावना बोहरा का आभार व्यक्त किया।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने बताया कि प्रदेश की ग्रामीण परिवेश में रहने वाली महिलाओं को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और सशक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में डबल इंजन भाजपा सरकार अभूतपूर्व कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपए की आर्थिक सहयता के माध्यम से उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। वहीं महतारी सदन का निर्माण कर उन्हें प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर की दिशा में भी अग्रसर कर रहें हैं। यह सदन केवल एक भवन नहीं, बल्कि हमारी माताओं, बहनों और बेटियों के सपनों, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का प्रतीक है। इस भवन का मुख्य उद्देश्य हमारी ग्रामीण बहनों को एक ऐसा मंच देना, जहां वे एकत्र होकर अपनी प्रतिभा, कौशल और सामूहिक शक्ति को निखार सकें। यहाँ स्वयं सहायता समूह की गतिविधियाँ, प्रशिक्षण, सामुदायिक सभाएँ और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। यह सदन केवल चार दीवारी नहीं, बल्कि हमारी बहनों के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का केंद्र बनेगा। यहाँ से वे नई दिशाएँ तय करेंगी, नई ऊँचाइयों को छूएंगी, और अपने परिवार व समाज को और सशक्त बनाएंगी।

उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के युवा, महिला, किसान, व्यापारी को सशक्त बनाने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं, सड़कों का निर्माण, पर्याप्त प्रकाश व पेयजल व्यवस्था स्वच्छता,सौन्दर्यीकरण जैसे कार्य निरंतर हो रहें हैं। हमारा पंडरिया विधानसभा विकास के नए कीर्तिमान स्थापित का कर रहा है। आज जनता की आकाँक्षाओं और उनकी सुविधाओं तथा क्षेत्र की प्रगति के उद्देश्य से ग्राम बाजार चारभाठा में सीसी रोड निर्माण तथा ग्राम ढोरली में सीसी रोड भवन निर्माण हेतु कुल 46 लाख 34 हजार रुपए की विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इन सभी विकास कार्यों से जनता को सुग्मन आवागमन की सुविधा मिलेगी वहीं ग्राम में धार्मिक,सांस्कृतिक व विभिन्न योजनाओं के लिए उपयुक्त एवं सर्वसुविधायुक्त स्थान मिलेगा। आज पंडरिया विधानसभा में अधोसंरचना विकास के साथ ही जनता की मूलभूत सुविधाओं, ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का विस्तार, चौक-चौराहों व पुल-पुलियों का निर्माण, तालाबों एवं शहरों का सौन्दर्यीकरण, बिजली, पानी की पर्याप्त आपूर्ति एवं आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में विकास कार्य तेज गति से हो रहे हैं। पूर्ण पारदर्शिता के साथ उच्च गुणवत्ता के कार्यों से कांग्रेस शासन में 5 वर्षों तक उपेक्षित रहा हमारा पंडरिया विधानसभा आज निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर हो रहा है।

नया पेराई सत्र से पहले मूल भुगतान सहित, बोनस, रिकवरी राशि नहीं मिलने पर होगा आंदोलन- रवि चन्द्रवंशी

किसानों को 35 करोड़ से अधिक का भुगतान पेंडिंग।

कवर्धा (समय दर्शन)। शक्कर कारख़ाना पंडरिया में गन्ना बेचे हुए किसानों को अपने गन्ने की भुगतान राशि का इंतज़ार पिछले 9 महीनों से है, जिसमें मूल भुगतान लगभग 9 करोड़ व बोनस व लाभांश राशि लगभग 26 करोड़ रुपए कुल मिलाकर 35 करोड़ से ऊपर का भुगतान किसानों को मिलना बाक़ी है। भुगतान समय पर नहीं होने के कारण इस वर्ष भी दीवाली जैसे त्योहार का फीका होने अंदेशा सताने लगा है। यदि ऐसा हुआ, तो किसानों के साथ मिलकर किसान कांग्रेस उग्र आंदोलन की चेतावनी देते हुए प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा है। किसान नेता रवि चन्द्रवंशी ने बताया कि भाजपा की सरकार आने के बाद किसानों को अपने ही गन्ने के पैसे के लिए कई महीनों से भटकना पड़ रहा है। पिछले महीने किसान कांग्रेस ने कारख़ाना का घेराव किया था तब जाकर कुछ भुगतान किसानों को हुआ था लेकिन अभी भी पूर्ण भुगतान होना बाक़ी है। किसानों को भुगतान नहीं होने से नवरात्रि का त्योहार फीका हो चुका है। रवि चन्द्रवंशी ने ज्ञापन देते हुए कारख़ाना प्रबंधन को कहा कि नया पेराई सत्र प्रारंभ होने वाला है। उससे पहले किसानों को यदि गन्ने का पूर्ण भुगतान नहीं हुआ तो किसान कांग्रेस किसानों के साथ सड़क पर उतर कर आंदोलन करेगी। पंडरिया ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष सुभाष पूरी गोस्वामी ने कहा कि किसान आज साहूकारों से ब्याज लेकर खेती करने अपना जीवन यापन करने को मजबूर हो गये है भाजपा की सरकार किसानों को बिना पैसे के मारना चाहती है। ज्ञापन सौंपते समय प्रमुख रूप से रवि,सुभाषपूरी, शत्रुघन, अजीत, वीरेंद्र, अश्वनी, सुखचंद, राजाराम, अंगद, जनक, धनिराम, दिनेश, विष्णु, त्रिलोक, रुपेश, राहुल सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

सिकासार बांध से छोड़ा गया 50 हजार क्यूसेक पानी, तटीय इलाकों को सतर्क रहने की अपील, जलाशय का जलभराव हुआ लगभग 99 प्रतिशत

गरियाबंद। जिले में हो रही बारिश से सिकासार जलाशय में तेजी से जलभराव हो रहा है।इसको ध्यान में रखते हुएसिकासार बांध से 24 सितम्बर 2025 को दोपहर 3 बजे से 50 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।यह निर्णय बांध की स्थिति एवं जल स्तर को देखते हुए लिया गया है।जिसके बाद विभाग ने तटीय गांवों को सतर्क रहने की अपील जारी की है।जल संसाधन विभाग के पैरी शीर्ष कार्य जल संसाधन उपसंभाग क्र.2 के अनुविभागीय अधिकारी द्वारा जारी सूचना के मुताबिक शुरुआती चरण में 50 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। हालांकि पानी की आवक स्थिति को देखते हुए इस दर को घटाया या बढ़ाया भी जा सकता है। वर्तमान में सिकासार जलाशय का जलभराव 196.80 मि.क्यू.मी यानी 98.93 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जल संसाधन विभाग ने तटीय और निचले क्षेत्रों के गांवों को अलर्ट करते हुए कहा है कि लोग नदी किनारे अनावश्यक रूप से न जाएं और सतर्क रहें। जल संसाधन विभाग द्वारा पानी छोड़ने के बाद पुलिस,जिला प्रशासन और बाढ़ नियंत्रण कक्ष को भी सूचित किया गया है।

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)

एफ.सं. 01-04001(01)/2/2025-एचओ - कार्मिक प्रभाग — दिनांक: 19-09-2025
F.No. 01-04001(01)/2/2025-HO - Personnel Division — Date: 19-09-2025

अधिसूचना
NOTIFICATION

सहायक निदेशक के पद पर भर्ती - खेल उत्कृष्टता के लिए भारत की खोज का हिस्सा बनने का अवसर।
Recruitment to the post of Assistant Director -
An opportunity to be part of India's quest for Sporting Excellence.

संदर्भ: समान संख्या की अधिसूचना दिनांक 30.05.2025 के अनुसार, सहायक निदेशक के 20 पदों (08-अनारक्षित, 02-ईडब्ल्यूएस, 05-ओबीसी, 03-एससी, 02-एसटी) को भरने के संबंध में।"सार्वजनिक स्कोर प्रकटीकरण, सिविल सेवा परीक्षा, 2023" की सूची दिनांक 08-11-2024 के अंतर्गत शामिल अभ्यर्थियों से अनुरोध किया जाता है कि वे भारतीय खेल प्राधिकरण में नियमित आधार पर सहायक निदेशक के पद हेतु वेतन मैट्रिक्स लेवल-10 (7th सीपीसी) में ऑनलाइन आवेदन करें। विस्तृत अधिसूचना भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है।

2. अंतिम चयन विधि: चयन निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर किया जाएगा:
- 60% अधिभार – UPSC CSE 2023 में प्राप्त अंक (2025 में से)
- 20% अधिभार – प्राथमिक खेल विधाओं में सत्यापित खेल उपलब्धियाँ
- 20% अधिभार – साक्षात्कार में प्रदर्शन

3. उम्मीदवारों को सहायक निदेशक (Assistant Director) के पद के लिए आवेदन करने हेतु अपने नाम के सामने *पब्लिक डिस्क्लोज़र सूची* में प्रदत्त ईमेल आईडी का उपयोग करना होगा, जैसा कि भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) की 16-09-2025 दिनांकित अधिसूचना में उल्लेखित है।यह स्पष्ट किया जाता है कि आवेदन पत्र जमा करने के लिए आमंत्रण मात्र को भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) द्वारा अभ्यर्थिता की अंतिम स्वीकृति नहीं माना जाएगा।साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थियों को रिक्तियों की संख्या के सापेक्ष 1:5 के अनुपात में, केवल UPSC CSE-2023 में प्राप्त अंकों के आधार पर, योग्यता क्रम में कड़ाई से शॉर्टलिस्ट किया जाएगा।

4. ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रस्तुतिकरण दिनांक **18-09-2025 (10:00 AM) से प्रारंभ होगा तथा पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 01-10-2025 (05:00 PM) है।** अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि किसी भी अंतिम समय की असुविधा से बचने के लिए आवेदन पत्र समय पर भरें। भर्ती संबंधी किसी भी प्रश्न के लिए ई-मेल करें: recruitment.cell.sai@gov.in। किसी विवाद की स्थिति में अधिसूचना का अंग्रेज़ी संस्करण मान्य होगा।

CBC 47103/12/0010/2526

जल जीवन मिशन के कार्यो को निर्धारित समय में करे पूर्ण - कलेक्टर उइके

कार्यों में अनावश्यक विलंब करने पर अनुबंध समाप्त कर एजेंसी ब्लैक लिस्ट की होगी कार्रवाई

गरियाबंद। कलेक्टर बी.एस.उइके ने जिले में जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यो की विस्तृत समीक्षा के लिए ठेकेदारों एवं अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली।बैठक में मिशन के तहत कार्यों में शामिल निजी एजेंसी एवं ठेकेदारों से जिले में चल रहे कार्यो के वर्तमान स्थितियों की जानकारी ली। उन्होंने विकासखण्डवार जल जीवन मिशन के तहत जारी कार्यों एवं गांववार संबंधित एजेंसी को आबंटित कार्यों की विस्तृत जानकारी लेकर प्रगति की समीक्षा की।इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चन्द्राकर उपस्थित थे।कलेक्टर श्री उइके ने बैठक में कहा कि सभी नागरिकों को पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से लाभान्वित करने भारत सरकार के निर्देशानुसार जल जीवन मिशन संचालित किया जा रहा है।इसके तहत सभी गांवों एवं हितग्राहियों के घरों तक नल-जल कनेक्शन प्रदान किया जा रहा है।साथ ही निर्माण कार्यो की प्रगति की पोर्टल पर किये गए अपलोड की समीक्षा की जा रही है।

कलेक्टर श्री उइके ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत नल-जल कनेक्शन के कार्यो को निर्धारित समय में पूर्ण करे,जिससे लोगों को पेयजल की सुचारू सुविधा मिलती रहे। उन्होंने मिशन के तहत सभी कार्यों में गंभीरतापूर्वक कार्य करने एवं कार्यो को गुणवत्ता पूर्ण तरीके से पूर्ण करने के निर्देश एजेंसियों एवं ठेकेदारों को दिये। कलेक्टर ने कार्यों में धीमी प्रगति एवं अनावश्यक विलंब करने वाले एजेंसियों का अनुबंध समाप्त कर संबंधित एजेंसी को ब्लैक लिस्ट करने की भी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यो में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बचे हुए कार्यो को अधिक संख्या में श्रम बल लगाकर पूर्ण करें।कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के सब इंजीनियरों को भी कार्यों की गंभीरतापूर्वक मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कार्यों की उचित निगरानी नहीं रखने पर संबंधित इंजीनियरों की भी जवाबदेही रहेगी। इन कार्यो में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं की जायेगी। कलेक्टर ने बैठक में जिन ठेकेदारों एवं एजेन्सियों द्वारा निर्धारित समय अवधि पर कार्य पूर्ण नहीं कर रहे है साथ ही अनुपस्थित ठेकेदारों एवं एजेंसियों को कारण बताओ नोटिस भी जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पूर्व में ब्लैक लिस्टेड किये गए ठेकेदारों के कार्यो को नए टेन्डर देने की प्रक्रिया शुरू करे।श्री उइके ने जल जीवन मिशन के प्रचार-प्रसार करने,आदि कर्मयोगी अभियान शिविर में अधिकारी-कर्मचारियों को जाने के निर्देश दिये।

बरबसपुर में नवनिर्मित महतारी सदन का लोकार्पण रामकुमार भट्ट ने किया

कवर्धा (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा मंगलवार को प्रदेश के 51 महतारी सदनो का लोकार्पण धमतरी जिले से वर्चुअल माध्यम से किया गया। इसी कड़ी में विकास खण्ड कवर्धा के ग्राम पंचायत बरबसपुर में नवनिर्मित महतारी सदन का लोकार्पण पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष व जिला पंचायत सभापति रामकुमार भट्ट ने किया। इस अवसर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष व जिला पंचायत सभापति श्री भट्ट ने कहा कि महतारी सदन योजना ग्राम पंचायतों में ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी एवं अत्मा निर्भर बनाने तथा आपसी समरस्ता स्थापित करने व सामाजिक कार्यक्रमों में सामुहिक भागीदारी तथा महिला ससक्तिकरण में सार्थक सिद्ध होगा। महतारी सदन महिलाओं के शिक्षा कौशल और उद्यामिता का द्वार खुलेगा। महतारी सदन योजना छ.ग. प्रदेश में केवल महिलाओं की तरक्की का आधार ही नही बल्कि यह पूरे प्रदेश की तरक्की का आधार बनेगा। ग्राम पंचायत बरबसपुर के महतारी सदन का लोकार्पण से ग्राम विकास में एक और विकास की कड़ी जुड़ गई। इस अवसर पर पंचायत के सरपंच प्रकाश यादव, अनुसुचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष पंच राम कोसले ग्राम पंचायत के पंच तथा बिहान योजना से जुड़ी हुई समूह की बहनें तथा ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपास्थित रहे।

न्यायालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी धमधा
धमधा-जिला-दुर्ग छ.ग.

-:: ईश्तहार ::-

रा.प्र.क्र. 1200 धारा 28 पुलिस एक्ट — दिनांक ....../......./2025

थाना बोरी जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि थाना बोरी के ईस्तगाशा क्र. 01/2025 धारा 28 पुलिस एक्ट के प्रकरण जिसमें जिला दुर्ग के थाना बोरी में जप्त लावारिस/लादावा वाहनो के निराकरण/नीलामी के कार्यवाही हेतु वाहनों की सूची संबंधित परिवहन कार्यालय से जानकारी प्राप्त कर संबंधितों को नोटिस तामिल अदम तामिल उपरांत भी उक्त थानों में खड़ी दर्शित वाहनों के मालिको द्वारा उक्त वाहनो को अपना वाहन होना स्वीकार नहीं किये। अतः थाना बोरी में उक्त दर्शित वाहनों के लादावा होने पर थाना बोरी जिला दुर्ग छ.ग. में इस्तगाशा क्र. 01/2025 धारा 28 पुलिस एक्ट की कायमी किया गया है। प्रकरण में जप्त वाहन थाना बोरी के परिसर में खुली जगह पर होने से खराब होने की प्रवल संभावना है। जिसका शीघ्र अंतिशीघ्र निराकरण किया जाना आवश्यक है। उक्त लावारिश/लादावा वाहन जो थानो बोरी में खड़ी है। जिनका विवरण निम्न क्यूआर कोड को स्कैन कर देख सकते है।

अतः उक्त के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/उक्त वाहन पर अपना हक रखता हो तो वाहन रजिस्ट्रेशन पत्रक एवं पहचान पत्र के साथ पेशी तारीख दिनांक 29/09/2025 तक न्यायालयीन समय मे स्वतः अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से लिखित में दावा, आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते है। म्याद बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पद मुद्रा से आज दिनांक 29/08/2025 को जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय दण्डाधिकारी
धमधा, जिला दुर्ग (छ.ग.)

G-252603672/1

कार्यालय पुलिस अधीक्षक,
स्पेशल टास्क फोर्स बघेरा, दुर्ग (छ.ग.) पिन नं.- 491001

निविदा विज्ञप्ति क- पुअ/एसटीएफ/बघेरा/दुर्ग/साअ / आई-1073 /25 , — दिनांक- 22/09/2025

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 02/ 2025-26

पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ बघेरा-दुर्ग के द्वारा निर्माण कार्य कराने जाने हेतु ई-पंजीयन के अंतगर्त श्रेणी 'द' अथवा उससे उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र (आयकर चुकता प्रमाण पत्र सहित) के साथ निविदा प्रपत्र के मूल्य राशि 750/- रू. का राष्टीयकृत/अधिकृत बैंकों से पुलिस अधीक्षक एसटीएफ बघेरा-दुर्ग छ.ग. के नाम से डीमाड ड्राफ्ट प्रस्तुत कर प्राप्त किये जा सकते है।

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू. में)	धरोहर राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)
01	एसटीएफ हब बीजापुर में जवानों के उपयोग हेतु टॉयलेट बाथ सेट विथ वाटर टैंक 01 सेट निर्माण कार्य	13,12,200/-	13,200/-	750/-

1 निविदा फार्म विक्रय की अंतिम तिथि एवं समय — 25.10.2025 समय 17.00 बजे तक
2 निविदा फार्म जमा करने का अंतिम तिथि एवं समय — 28.10.2025 समय 15.00 बजे तक।
3 टेक्निकल बिड खोलने का तिथि एवं समय — 28.10.2025 समय 16.00 बजे तक।
4 फायनेंसियल बिड खोलने का समय पृथक से अवगत कराया जावेगा।

नोट- निविदा की नियम व शर्ते टेण्डर फार्म के साथ कार्यालयीन समय में सामग्री अध्यक्ष कार्यालय एसटीएफ बघेरा-दुर्ग से प्राप्त किये जा सकते है।

पुलिस अधीक्षक
एसटीएफ बघेरा,
दुर्ग (छ.ग.)

जी- 252603676/1

सावित्रीपुर संकुल के तीन आचार्यों को मिला शिक्षक सम्मान

पिथौरा (समय दर्शन)। विकासखंड पिथौरा में आयोजित भव्य शिक्षक सम्मान समारोह में सावित्रीपुर संकुल परिवार के तीन प्रतिष्ठित आचार्य — बी.डी. साहू, प्रवीण साहू और हेमराज यादव — को उनके शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में निरंतर प्रयासों के लिए शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, सांसद महासमुंद, अध्यक्षता संपत अग्रवाल, विधायक बसना और विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती

ऊषा धृतलहरे, जनपद पंचायत अध्यक्ष पिथौरा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को विशेष बनाया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल पुस्तकों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि वे विद्यार्थियों के जीवन में संस्कार, चरित्र और आत्मविश्वास का संचार करने वाले मार्गदर्शक होते हैं।

बी.डी. साहू सर ने शिक्षा को रोचक और सरल बनाने के लिए नवाचार किए,

प्रवीण साहू सर ने विद्यार्थियों को प्रतियोगिताओं और विविध गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रेरित किया,

और हेमराज यादव सर ने अपने स्नेहिल मार्गदर्शन एवं अनुशासन से विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का निर्माण किया।

यह सम्मान न केवल इन आचार्यों की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि सावित्रीपुर संकुल परिवार के लिए गर्व और गौरव का क्षण भी है। संकुल परिवार की ओर से तीनों शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गयी ।

आने वाले वर्षों में भी शिक्षा-जगत और समाज को यूँ ही प्रेरित करते रहने की आशा के साथ संकुल परिवार ने बधाईयाँ दिये।

संक्षिप्त-खबर

संकुल केंद्र जमदरहा में प्रधान पाठकों की समीक्षा बैठक

बसना (समय दर्शन)। विकासखण्ड बसना के संकुल केंद्र जमदरहा में समन्वयक डिजेन्द्र कुर्रे के नेतृत्व में संकुल स्तरीय प्रधानपाठकों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जमदरहा संकुल के सभी संस्था प्रमुख उपस्थित थे।विकासखंड स्रोत समन्वयक कार्यालय बसना में बैठक आयोजित था। जिसमें विकासखंड शिक्षा अधिकारी विनोद शुक्ला सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे, लोकेश्वर कंवर एवं विकास खण्ड स्रोत केंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव के निर्देशन में बिंदुवार समीक्षा करने का निर्देश दिया गया था।

उक्त एजेंडा को समन्वयक डिजेन्द्र कुर्रे ने बिंदुवार विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा कर त्वरित सारे ऑनलाइन वर्क शैक्षणिक जानकारी को समय में पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।एजेंडा का मुख्य बिंदु जिसमें प्रतिदिन एम डी एम ऐप में एंट्री,रसोई कमरा साफ सफाई हो, मीनू अनुसार मध्यान्ह भोजन , स्वाद परीक्षण पंजी का संधारण,यू डाइस में विद्यार्थियों का पंजीयन कार्य पूर्ण करना, एक पेड़ मां के नाम,अपार आईडी,जाति प्रमाण पत्र , आय प्रमाण पत्र, शिक्षको और स्वीपर की उपस्थिति पत्रक जमा करना,स्वच्छ विद्यालय सर्वे,छात्रवृत्ति ,शिक्षकों के ई के वाई सी सबमिट,ऑनलाइन उपस्थिति एप डाउनलोड करना है दिव्यांग बच्चों की सूची,आईसीटी लैब की तैयारी, नशा की हालत में विद्यालय आना सख्त मना है, नेवता भोज, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आदि विषयों पर गहन चर्चा की गई। संकुल समन्वयक डिजेन्द्र कुर्रे ने सभी को पूरे उत्साह के साथ कार्य करने कहा। इस बैठक में गंगाधर प्रसाद,विजय चतुर्वेदी, बसंत साहू, सुखीराम बसंत,शंकर सिदार,बसंत साहू,जगदीश मांझी,गफ्फार खान,टेमन साहू,सतकुमारी चतुर्वेदी,रूपलता कुर्रे, शिमला चौहान, तेजस्विनी बरिहा जितेंद्र नाग आदि संकुल के सभी समस्त संस्था प्रमुख उपस्थित थे।

दिन भर झमाझम बारिश, कई मार्ग जलमग्न, फुंडा चौक में जाम हुआ पानी

पाटन । आज दिन भर झमाझम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। वहीं कई मार्ग जलमग्न भी हो गया है। अभी कुछ देर पहले ही हुई लगातार बारिश से फुंडा चौक पूरी तरह से जल मग्न हो चुका है। बता दे कि सड़क चौड़ीकरण के बाद यहां कर पानी निकासी रास्ता पर्याप्त नहीं होने के कारण पूरा सड़क जलमग्न हो गया है। फुंडा चौक से तर्रा की तरफजाने वाले मार्ग पर चौक के पास ही बारिश का पानी जमा हो गया है।

ए वी पब्लिक स्कूल, किरंदुल में राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

दंतेवाड़ा किरंदुल: डी ए वी पब्लिक स्कूल, किरंदुल में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद के तैल चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। एनएसएस प्रभारी शिक्षक के.पी. सिन्हा ने स्वागत भाषण में एनएसएस के उद्देश्यों, युवाओं की सामाजिक सहभागिता और विभिन्न सामाजिक कार्यों में योगदान पर प्रकाश डाला। छात्र-छात्राओं ने एनएसएस गीत और एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जो स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने में सफल रहा। शिक्षिका रूप सक्सेना ने एनएसएस की स्थापना, इसके आदर्शों और समाज सेवा में इसकी भूमिका को विस्तार से बताया। कक्षा 12वीं की छात्रा कुमारी आस्था साव ने भी प्रभावी भाषण प्रस्तुत कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य एस.के. श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं को एनएसएस के मूल मंत्र स्वयं से पहले आप को अपनाकर समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक अजय कुमार झा, राजकुमार राय, एस.के. मोहंती और दिलहरन सोनवानी का विशेष सहयोग रहा। मंच संचालन शिक्षिका रेखा सिंह ने प्रभावी ढंग से किया। यह आयोजन विद्यार्थियों को समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने में सफल रहा।

विश्व हिन्दू परिषद के तत्वावधान में महाविद्यालयीन दुर्गा वाहिनी के बहनों ने किया शस्त्र पूजन

पिथौरा (समय दर्शन)। शासकीय महाविद्यालय पिथौरा में विश्व हिन्दू परिषद दुर्गा वाहिनी के द्वारा शस्त्र पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री बसंत देवता ने समाज मे समरसता लाने प्रेरणास्पद विचार व्यक्त किये । इस दौरान प्रमुख पदाधिकारियों ने मंच साझा करते हुए दुर्गा वाहिनी के बहनों को एकता के सूत्र में समाज के सभी लोगों को पिरोने प्रेरित किया।

अनीता चौधरी ने बताया कि जिस प्रकार से अनेक फूलों को मिलाकर घूमने से एक माला बनता है,ठीक उसी प्रकार हम सभी अनेक समाज के लोगों से मिलकर हिन्दू धर्म बनता है । हम आपस में सभी सहोदर है,हम

सभी भारत माँ की संतान है यहाँ कोई छोटा बड़ा नहीं है ।

कार्यक्रम में बजरंगदल जिला संयोजक गीतेश पंडा ने बताया कि, सम्पूर्ण हिन्दू समाज एक परिवार है,कालान्तर में हमारे घर परिवार समाज के मुखिया द्वारा विभिन्न क्रिया कलापों के निर्वहन के लिए काम सौंपा गया था,लम्बे समय के खाल चक्र के बाद उस कार्य को करते करते कौशल के हिसाब वह उसकी जाति से जानने पहचानने लगे।आखिर हम सब हिन्दू एक परिवार का हिस्सा हैं । बाहरी आक्रांताओं ने हमारे बीच छूआछूत ऊँचनीच की दीवार खड़े कर दिए ।अब हमे सर्व हिन्दू समाज मे जागृति लाना है।

क्रार्यक्रम मे मातृ शक्ति जिला संयोजिका अनीता चौधरी , दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका दामिनी पटेल , पिथौरा प्रखण्ड मातृशक्ति संयोजिका ममता शीतल मिश्रा ,दुर्गा वाहिनी पिथौरा प्रखंड संयोजिका कंचन चौधरी, डा अभिलाष गौतम पटेल , सविता बर्मन दीदी ,कुन्तला नायक ,लक्ष्मी महानंद ,ललिता सिदार ,सुषमा त्रिपाठी,आशी गुप्ता ,सुनीता चौधरी ,दीपा ध्रुव,पिथौरा महाविद्यालय से दीवान सर, संतोष सोनी , सीमा अग्रवाल , विशाल सर, कानूनगो सर उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाए । कार्यक्रम मे दीप प्रज्वलन से प्रारम्भ हुआ एवं उद्बोधन एवं शस्त्र पूजन के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारियों ने किया धरना प्रदर्शन

■ **अधिकारी अपनी जायज सात सूत्रीय मांगों पर अड़े**

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र नाग के नेतृत्व में 7 सूत्रीय लंबित मांगों की पूर्ति के लिए एक बार फिर आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है । संघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र नाग ने बताया कि 15 सितंबर 2025 को जिले के कलेक्टर अनुभाग्य अधिकारी एवं तहसीलदार के माध्यम से शासन को ज्ञापन सौंपा था ।

बावजूद इसके आज तक मांगों का कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई ।

इसी के तहत आंदोलन के तृतीय चरण में दिनांक 23 सितंबर 2025 को एक दिवसीय अवकाश लेकर जिला मुख्यालय में प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक धरना प्रदर्शन किया गया।

ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी की प्रमुख 7 सूत्रीय मांगे-

(1)वेतनमान संशोधन - 4300 ग्रेड पे की स्वीकृति

(2) कर क्षेत्र का पुनर्निर्धारण ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी एवं उद्यान विकास अधिकारी

(3)मासिक स्थाई भता fi& T त में वृद्धि 2500 तक

(4) संसाधन भता मोबाइल इंटरनेट लैपटॉप एवं स्टेशनरी हेतु

(5) अतिरिक्त क्षेत्र भत्ता विभागीय अम्लों की कमी के कारण दिए गए अतिरिक्त प्रभार पर

(6)पदनाम संशोधन- मध्य प्रदेश शासन की तर्ज पर ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी का नाम बदलकर उद्यान विस्तार अधिकारी किया जाए

(7) पदोन्नति प्रक्रिया प्रारंभ ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी से उद्यान विकास अधिकारी पद पर लंबित पदोन्नति तत्काल किया जाए एवं समय पर किया जाए।

रक्तदान शिविर में युवाओं ने दिखाया उत्साह

- ■ बसना महाविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर मे बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल
- ■ युवाओं को प्रेरित करने सक्षम ब्लड बैंक बसना द्वारा रक्तदाताओं को हेलमेट एवं प्रमाणपत्र वितरित किये
- ■ रक्त की हर बूँद बचा सकती है जीवन
- ■ NSS, रेड रिबन और रेड क्रॉस के संयुक्त प्रयास से सफल रक्तदान शिविर
- ■ थैलेसीमिया, दुर्घटनाओं और सर्जरी पीड़ितों के लिए रक्तदान होता है जीवन रक्षक-डॉ सम्पत अग्रवाल

बसना (समय दर्शन)। स्व. जयदेव सतपथी शासकीय महाविद्यालय, बसना में राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्रस्र्), रेड रिबन क्लब एवं रेड क्रॉस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल मुख्य अतिथि ने विधिवत पूजा-अर्चना कर शिविर का शुभारंभ किया और विद्यार्थियों को रक्तदान के महत्व पर प्रेरणादायक संबोधन दिया।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान महादान होता है। यह एक ऐसा नि:स्वार्थ कार्य है जो किसी ज़रूरतमंद को जीवनदान देने की क्षमता रखता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे आगे आकर इस पुनीत कार्य में भाग लें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दें।

विधायक डॉ अग्रवाल ने विशेष रूप से थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे द्वारा दान किया गया रक्त इन बच्चों के लिए जीवन रेखा साबित होता है। उन्हें नियमित रूप से रक्त की आवश्यकता होती है ताकि वे सामान्य जीवन जी सकें। उन्होंने रक्तदान को केवल एक दान नहीं, बल्कि एक जीवनदायी क्रिया बताया जो सीधे तौर पर किसी मासूम की जान बचाने में सहायक होती है।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने यह भी कहा कि हमारा छोटा सा प्रयास किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। रक्तदान न केवल थैलेसीमिया के मरीजों के लिए, बल्कि दुर्घटनाओं, सर्जरी और अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों और युवाओं से आग्रह किया कि वे नियमित रूप से रक्तदान करें और इस महादान में अपना सहयोग दें।

इस रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आपातकालीन स्थितियों के लिए रक्त भंडार सुनिश्चित करना था। महाविद्यालय के प्राचार्य,प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने इस आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाई। शिविर में कई विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया, जिससे आयोजन को विशेष सफलता मिली। शिविर के सफल संचालन में राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्रस्र्), रेड रिबन क्लब और रेड क्रॉस सोसायटी के स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने न केवल व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया, बल्कि रक्तदाताओं को प्रेरित करने में भी अहम भूमिका निभाई। इस रक्त दान शिविर में महाविद्यालय के प्राचार्य एस के साव, प्राध्यापकगण,वरिष्ठ पत्रकार सेवकदास दीवान,अभय धृतलहरे, नरेन्द्र बोरे निज सचिव विधायक, संतोष सोनी,विजय कठाने,संतोष धृतलहरे, एन के प्रधान,सक्षम ब्लड बैंक से टेक्नीशियन टीम देवराज प्रधान ,पुष्पेन्द्र पात्र,रूपानंद पटेल,निरूता प्रधान, यशोदा दास,ब्लड डोनेट करने वाले महाविद्यालयीन छात्र छात्राएँ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

71 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण, 'लोन वर्राटू' और 'पूना मारगेम' अभियान की बड़ी सफलता

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले में 'लोन वर्राटू' (घर वापस आईये) और 'पूना मारगेम' (पुनर्वास से पुनर्जीवन) अभियान के तहत 71 माओवादियों, जिनमें 30 ईनामी (कुल 64 लाख रुपये के इनाम) शामिल हैं, ने आत्मसमर्पण किया। इनमें 21 महिलाएं और 50 पुरुष हैं। आत्मसमर्पित माओवादियों में बामन मड़काम (8 लाख रुपये इनाम), शमिला उर्फ सोमली कवासी, गंगी उर्फ रोहनी बारसे, देवे उर्फ कविता माड़वी (प्रत्येक 5 लाख रुपये इनाम) और जोगा मड़काम (2 लाख रुपये इनाम) जैसे प्रमुख नक्सली शामिल हैं, जो विभिन्न मुठभेड़ों और नक्सली गतिविधियों में संलिप्त थे। दंतेवाड़ा पुलिस और सीआरपीएफके संयुक्त प्रयासों से माओवादियों को मुख्यधारा में लाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार और संवाद किया जा रहा है। आत्मसमर्पण करने वालों को छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति के तहत 50 हजार रुपये की सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, स्वरोजगार, कृषि भूमि और मनोवैज्ञानिक परामर्श जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। पिछले 19 महीनों में दंतेवाड़ा में 129 ईनामी सहित 461 से अधिक माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जबकि बस्तर रेंज में 'लोन वर्राटू' अभियान के तहत 297 ईनामी सहित 1113 माओवादी मुख्यधारा में लौट चुके हैं। दंतेवाड़ा पुलिस और प्रशासन ने माओवादियों से हिंसा छोड़कर शांति और विकास के मार्ग पर लौटने की अपील की है।

धर्म नगरी कौही में भक्ति, शक्ति, उपासना का अद्भुत संगम...अशोक साहू

■ **बजरंग चौक कौही में सांस्कृतिक सम्मेलन का हुआ भव्य शुभारंभ**

रानीतराई (समय दर्शन)। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर न्यू आनंद बाल समाज दुर्गोत्सव समिति एवं ग्रामवासी कौही के सहयोग से बजरंग चौक में मातारानी दुर्गा की भव्य मूर्ति स्थापित किया गया है।समिति के द्वारा भव्य सांस्कृतिक सम्मेलन आयोजित किया गया है जिसके शुभारंभ के मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू पूर्व उपाध्यक्ष ज़िप दुर्ग थे,अध्यक्षता सरपंच लीना साहू ने की, विशेष अतिथि रमन टिकरिहा पूर्व सभापति जप,मनोरमा टिकरिहा पूर्व सरपंच,डॉ.नोहर साहू पूर्व जनपद प्रतिनिधि,हेमलाल सोनकर उपसरपंच,संतराम निषाद,तुलाराम साहू,रामकुमार सोनकर,राजेश तिवारी,मूलचंद साहू ने मातारानी की पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख,समृद्धि,खुशहाली की मंगलकामना किए।

मुख्य अतिथि पूर्व जिप. उपाध्यक्ष अशोक साहू ने धर्म नगरी कौही में भक्ति,शक्ति,उपासना का अद्भुत संगम देखने को मिलता

है।सनातन धर्म के प्रति समर्पण,त्याग की भावना से आस्था,संस्कृति,परंपरा को जीवंत रखने की आवश्यकता है।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्व योगदान देते हुए धार्मिक,सांस्कृतिक के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किए।

पूर्व जप.सभापति रमन टिकरिहा ने नकारात्मक भावना को त्याग कर भक्ति भाव से मातारानी की आराधना से हमें अद्भुत शक्ति मिलती है। सरपंच लीना साहू ने नवरात्रि की बधाई प्रेषित करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत,अभिनंदन किए। इस अवसर पर मिंटू तिवारी,सोमेश्वर ठाकुर,कृष्ण कुमार सोनकर,ओज़श शर्मा,लवण ठाकुर,शिवकुमार पांडे,तिलोचन साहू,सुखचैन निर्मल,अमरसिंह निषाद,नारायण सोनकर,जयप्रकाश पांडे,लोकेश्वर साहू,किशोर सोनकर,जितेंद्र निषाद,उकेश साहू,छनू ठाकुर,सुरेश ठाकुर,दिलीप साहू,भगवान सिंह निषाद,गजानंद ठाकुर,कोमल ठाकुर,गिरवर निषाद,रामेश्वर साहू,उत्तम सोनकर, अनुसुइया, कविता,पूर्णिमा पंचगण,आयोजक समिति एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26